राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात,संस्करण रविवार 7 जनवरी 2024 वर्ष-6,अंक-343 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सबरीमाला तीर्थयात्रियों को कर्नाटक मस्जिद में मिला आश्रय, पूजा की भी अनुमति

कर्नाटक। उत्तरी कर्नाटक के छह हिंदू तीर्थयात्रियों का एक समूह, जो रात के दौरान केरल के सबरीमाला मंदिर पहुंचे थे और वन्यजीवों के हमले के खतरे का सामना कर रहे थे, उन्हें कोडागु जिले में एक मस्जिद के परिसर में रहने की अनुमति मिलने के बाद राहत मिली। कोडागु जिले के विराजपेट तालुक के एडथरा गांव में लिवाउल हुडा जुम्मा मस्जिद और मदरसा के प्रबंधन और धार्मिक प्रचारकों की हिंदू तीर्थयात्रियों को आश्रय देने के लिए प्रशंसा की जा रही है। बेलगावी जिले के गोकक के पास एक गांव के हिंदू तीर्थयात्रियों ने बाइक पर सबरीमाला की यात्रा शुरू की। घने जंगल के बीच स्थित एडथारा गांव पहुंचने पर, उन्हें वन्यजीवों, खासकर हाथियों के हमलों के संभावित खतरे के बारे में पता चला। मस्जिद को देखने के बाद, उन्होंने प्रबंधन से उन्हें रहने की अनुमति देने का अनुरोध किया। मस्जिद के अध्यक्ष उस्मान और पदाधिकारी खतीब क़मरुद्दीन अनवारी ने इसके लिए हां करते हुए मस्जिद में सभी आवश्यक व्यवस्थाएं कीं। तीर्थयात्रियों कमलेश गौरी, भीमप्पा सनादी, शिवानंद नवेदी, गंगाधर बडीदे और सिद्दरोड सनादी को मस्जिद के परिसर में पूजा करने की भी अनुमति दी गई। तीर्थयात्रियों ने मस्जिद में सुबह की प्रार्थना की और मस्जिद प्रबंधन के प्रति आभार व्यक्त करने के बाद सबरीमाला के लिए रवाना हो गए। उस्मान ने कहा, हम एडथारा में अपनी मस्जिद में श्रद्धालुओं को, चाहे वे किसी भी धर्म के हों, सुविधाएं प्रदान करने के लिए तैयार रहते हैं। इस क्षेत्र में रात के समय हाथियों के हमले का खतरा बना रहता है। जो कोई भी इस रास्ते से गुजरेगा वह मस्जिद में रुक सकता है और हम सभी सुविधाएं प्रदान करेंगे। सभी देवता एक हैं।÷

अशोक गहलोत, भूपेश बघेल जैसे दिग्गज लड़ेंगे लोकसभा चुनाव?

कांग्रेस के बीजेपी की राह पर चलने के संकेत

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर राजनीतिक दलों ने कमर कसनी शुरू कर दी है। सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी और विपक्षी कांग्रेस समेत दूसरे दल भी रणनीतियां बनाने में जुटे हैं। इस मामले में भगवा पार्टी बाकी दलों से कुछ आगे नजर आती है। बताया जा रहा है कि बीजेपी इस महीने के अंत तक अपने कुछ उम्मीदवारों के नाम का ऐलान कर सकती है। सूत्रों के हवाले से यह भी बताया जा रहा है कि कई राज्यसभा सांसदों को लोकसभा चुनाव में उतारा जा सकता है। अब कांग्रेस को लेकर खबर है कि उसकी ओर से भी ऐसा ही प्लान तैयार हुआ है। हालांकि, यहां मुख्य सवाल तो यह है कि कितने दिग्गज कांग्रेसी इसके लिए तैयार होते हैं।

कांग्रेस ने हाल ही में राज्यों के लिए नए नामों और प्रभारियों की घोषणा की थी। पार्टी आलाकमान का प्रयास है कि ये लोग कार्यकर्ताओं में जान फूंक सकें, जो खासकर राज्य चुनाव के खराब नतीजों से हताश नजर आते हैं। कांग्रेस को उम्मीद है कि भारत

जोड़ो न्याय यात्रा से भी इसमें काफी हद तक मदद मिलेगी। पार्टी नेता राहुल गांधी खासतौर से उन क्षेत्रों में यात्रा करने वाले हैं जहां यह सबसे पुरानी पार्टी

> **सूत्रों के हवाले से यह भी बताया जा रहा है कि कई राज्यसभा सांसदों को लोकसभा चुनाव में उतारा जा सकता है। अब कांग्रेस को लेकर खबर है कि उसकी ओर से भी ऐसा ही प्लान तैयार हुआ है। हालांकि, यहां मुख्य सवाल तो यह है कि कितने दिग्गज कांग्रेसी इसके लिए तैयार होते हैं।**

कमजोर दिखती है और कार्यकर्ता निराश मालूम पड़ते हैं। यहां इस बात की जिक्र भी जरूरी हो जाता है कि इससे भारत जोड़ो यात्रा ने खूब सुर्खियां बटोरी थी। ऐसा माना गया कि इसके जरिए राहुल गांधी की छवि काफी मजबूत हुई और पार्टी कार्यकर्ताओं में नया उत्साह पैदा हुआ।

मजबूत जनाधार वाले नेताओं पर फोकस

रिपोर्ट के मुताबिक, कांग्रेक के ऐसे सीनियर नेता जिनका जनाधार अच्छा हो और हाई प्रोफाइल वाले हों, उन्हें लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए कहा जा सकता है। युवाओं में से भी कई लोगों को यह मौका देने की तैयारी है। हालांकि, सूत्रों के हवाले से बताया जा रहा है कि इस प्रस्ताव को लेकर बहुत से नेता उत्सुक नजर नहीं आ रहे। इनमें पूर्व मुख्यमंत्रियों भूपेश बघेल, टीएस सिंह देव और अशोक गहलोत के नाम प्रमुख हैं जो लोकसभा के लिए फिलहाल सहमत नहीं दिखते। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और ओडिशा जैसे राज्यों में कांग्रेस के सामने समस्या उम्मीदवारों को ढूंढने की भी है। बताया गया कि कांग्रेस ने सीट-बंटवारे की बातचीत के दौरान यूपी में 10 सीटों पर दावा किया था। मगर, उसके लिए प्रयागराज, अमेठी और रायबरेली के अलावा बाकी सीटों पर मजबूत प्रत्याशी को ढूंढना मुश्किल हो सकता है।

केन्द्र सरकार की योजनाओं से लोगों के जीवन में आया सकारात्मक परिवर्तन-शर्मा

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने राज्य सरकार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में प्रदेशवासियों को जनहितैषी योजनाओं के माध्यम से लाभान्वित करने के लिए संकल्पित बताते हुए कहा है कि केन्द्र सरकार की योजनाओं से करोड़ों लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आया है।

श्री शर्मा ने शुक्रवार रात यहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति में यह बात कही। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं से लोगों का जीवन स्तर ऊपर उठा है एवं उनके सुनहरे भविष्य का मार्ग प्रशस्त हुआ है। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं में हर वर्ग के हितों का ध्यान रखा गया है। 'सबका साथ, सबका विकास एवं सबका विश्वास' को चरितार्थ करती यह योजनाएं राज्य में प्रभावी रूप से लागू कर प्रदेशवासियों को लाभान्वित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की इन्दिरा रसोई योजना की समीक्षा कर इसमें निहित सभी खामियों को दूर कर नव योजना के तहत प्रदेश में आमजन को पौष्टिक एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराना राज्य सरकार का ध्येय है। उन्होंने कहा कि इस योजना की समीक्षा में कई कमियां पाई गई है। वर्तमान मैन्यू में भोजन की मात्रा लगभग 450 ग्राम है जो पर्याप्त नहीं है। साथ ही ऐसी जगहों पर रसोई संचालित की जा रही है जहां इनकी उपयुक्तता नहीं है। इसके अतिरिक्त मॉनिटरिंग के लिए स्थायी स्टाफ का अभाव है जिससे इसके निरीक्षण में कठिनाई होती है।

उन्होंने कहा कि रसाईयों में पर्याप्त मात्रा में पौष्टिक भोजन का प्रावधान किया जाएगा। साथ ही इनके संचालन के लिए उपयुक्त स्थान का प्रावधान किया जाएगा। प्रभावी मॉनिटरिंग के लिए उचित व्यवस्थाएं की जाएंगी जिससे अधिक से अधिक लोगों को गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराया जा सके। गत योजना के तहत संचालित रसोईयों की संख्या की आवश्यकता का परीक्षण कराकर पुनर्निर्धारण किया जाएगा।

धूप बिन बेहाल दिल्ली-एनसीआर को ठंड से राहत कब, बारिश भी होगी; अगले 15 दिन का हाल

नई दिल्ली। नए साल के आगाज से पहले दिल्ली में सर्द हुआ मौसम का मिजाज लगातार कंपकंपाने वाला बना हुआ है। 27 दिसंबर से दिल्ली धूप के लिए तरस रही है। मौसम वैज्ञानिकों का मानना है कि 2019 के बाद ऐसी स्थिति उत्पन्न हुई है जब लगातार इतने दिनों तक धूप नहीं निकली। चार साल पहले दिल्ली को 12 दिसंबर से 31 दिसंबर तक सूरज नहीं दिखा था।

पिछले कई दिनों से दिल्ली में अधिकतम तापमान 15 डिग्री सेल्सियस के नीचे बना हुआ है, जोकि सामान्य से 5 डिग्री सेल्सियस कम है। शुक्रवार को मौसम विभाग ने आधिकारिक तौर पर कोल्ड डे घोषित किया। मौसम विभाग ने शनिवार के लिए भी येलो अलर्ट घोषित किया है जिसका मतलब है पिछले दिन की तरह कड़ाके की ठंड का सामना करना पड़ेगा। शुक्रवार को दिल्ली का अधिकतम तापमान 16.6 डिग्री सेल्सियस रहा, जोकि सामान्य से 5 डिग्री कम है। हालांकि, यह गुरुवार से कुछ अधिक था जब अधिकतम तापमान 12.5 डिग्री सेल्सियस ही रहा। गुरुवार को दिल्ली में

25 जनवरी 2022 के बाद सबसे ठंडा दिन था।

क्यों बीमार कर सकती है यह सर्दी

धूप नहीं निकलने की वजह से अधिकतम तापमान भी नीचे बना हुआ है। मौसम के मौजूदा मिजाज को आईएमडी वैज्ञानिक कुलदीप श्रीवास्तव लोगों के स्वास्थ्य पर बुरा असर डालने वाला बता रहे हैं। वह कहते हैं, ठंडी रातों के मुकाबले ठंडे दिन अधिक लोगों को प्रभावित करते हैं। 27 दिसंबर से आसामान साफ नहीं है। धुंध रहने और धूप नहीं निकलने की वजह से लोगों के स्वास्थ्य पर बुरा असर हो सकता है। जब न्यूनतम तापमान गिरता है तो अधिकतर लोग घर के अंदर होते हैं। लेकिन जब अधिकतम तापमान लुढ़कता है तो अधिकतर लोग कामकाज के लिए घर के बाहर होते हैं। यदि यह स्थिति अधिक दिनों तक रहती है तो लोगों के स्वास्थ्य पर असर हो सकता है।

9 और 10 को बारिश की संभावना-ठंड से कुछ मामूली राहत रविवार से मिल सकती है। आईएमडी का अनुमान है कि पश्चिमी विक्षोप के सक्रिय होने से हवा कुछ गर्म होगी। इसकी वजह से मंगलवार और बुधवार को हल्की बारिश की संभावना जताई गई है। आईएमडी का अनुमान है कि सोमवार तक दिल्ली का अधिकतम तापमान बढ़ सकता है। आईएमडी वैज्ञानिक कुलदीप श्रीवास्तव ने कहा, दिल्ली की ओर बढ़ रहे पश्चिमी विक्षोप का असर 9 जनवरी तक हो सकता है और हल्की बारिश हो सकती है। अपेक्षाकृत थोड़ी गर्म हवा से पारा कुछ ऊपर जा सकता है।

एनआईए ने जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में घर किया कुर्क

श्रीनगर। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने शनिवार को श्रीनगर में हथियार बरामदगी मामले में एक घर कुर्क कर लिया। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि जम्मू-कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ की सहायता से एनआईए ने शनिवार को श्रीनगर के चनापोरा इलाके की खान कॉलोनी में मुश्ताक अहमद के घर को कुर्क कर लिया। उल्लेखनीय है कि पुलिस ने पिछले साल मई में चनापोरा इलाके में लश्कर के दो हाइब्रिड आतंकवादियों को गिरफ्तार किया था, इनके कब्जे से 15 पिस्तौल, 30 मैगजीन, 300 राउंड और एक साइलेंसर बरामद किया गया था। बाद में उस मामले को एनआईए ने अपने हाथ में ले लिया।

एनसीपी का नेतृत्व करने के लिए मैं अधिक काबिल हूं, सुप्रिया सुले का अजित पवार पर हमला

मुंबई। एनसीपी सुप्रीमो शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले ने अपने चचेरे भाई और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार पर जोरदार हमला बोला है। उन्होंने एनसीपी संभालने के लिए खुद को अपने भाई से अधिक काबिल बताया है। आपको बता दें कि ऐसा पहली बार हुआ है जब उन्होंने इस मुद्दे पर खुलकर बोला है। अपने पूरे राजनीतिक करियर में वह इसी बात पर जोर देती रही हैं कि वह नई दिल्ली में पार्टी का नेतृत्व करके खुश हैं। साथ ही महाराष्ट्र में नेतृत्व की भूमिका निभाने की इच्छुक नहीं हैं। गुरुवार को दो दिवसीय पार्टी सम्मेलन के अंत में एनसीपी सांसद के भाषण ने किसी को भी संदेह नहीं होने दिया कि शीर्ष पर कौन है क्योंकि उन्होंने अजीत और प्रफुल्ल पटेल को निशाने पर लिया था। उन्होंने घोषणा की, हमारी प्रेरणा यशवंतराव चव्हाण हैं। आप (अजित पवार खेमा) मेरे बारे में कुछ भी कह सकते हैं। हालांकि, अगर किसी को चव्हाण की विरासत को आगे ले जाने का अधिकार है, तो वह सुप्रिया सुले होंगी और कोई नहीं एनसीपी के दोनों गुट महाराष्ट्र के सबसे बड़े नेताओं में से एक और महाराष्ट्र के पहले मुख्यमंत्री चव्हाण की शपथ लेते हैं। सुले ने एक झटके में न सिर्फ यह कहा कि अजित चव्हाण के आदर्शों पर नहीं चल रहे हैं बल्कि यह भी साफ कर दिया कि पार्टी का नेतृत्व करने के लिए सिर्फ वही उपयुक्त हैं। प्रफुल्ल

पटेल की टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए सुले ने कहा कि वह अत्यधिक योग्य थीं। उन्होंने कहा, ÷मैं उच्च शिक्षित हूं। अगर मैं चाहती तो पुणे में एक निजी कंपनी का सीईओ होती। जब मैं राजनीति में आई तो मैंने क्या मांगा? मैंने सिर्फ एक लोकसभा टिकट मांगा और कुछ नहीं। क्योंकि मैं बदलाव लाने में शामिल होना चाहती थी। अजित पवार का नाम लिए बिना सुले ने कहा कि वे केंद्रीय प्रवर्तन एजेंसियों की जांच के सामने पीछे हट गए हैं। सुले ने कहा कि वह डरी हुई नहीं हैं क्योंकि वह ईमानदार हैं। उन्होंने कहा, मेरे पास छिपाने के लिए कुछ नहीं है। मैं ईमानदार हूं। न तो मेरे पति ठेकेदार हैं और न ही मैं हूं। अपने भाषण के दौरान सुप्रिया सुले ने यह भी घोषणा की कि अगर एमवीए सरकार सत्ता में आती है तो वह पूर्ण कृषि ऋण माफी कर देगी और साथ ही राज्य सरकार में अनुबंध पर नियुक्ति बंद कर देगी।

बंगाल में किम जोंग उन की सरकार; ईडी की टीम पर हमला हुआ तो ममता पर भड़के गिरिराज

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम पर हुए हमले को लेकर भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने तृणमूल कांग्रेस और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया कि बंगाल में लोकतंत्र स्पष्ट रूप से अनुपस्थित है। ऐसा प्रतीत होता है कि ममता बनर्जी उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन जैसी सरकार का नेतृत्व कर रही हैं। उन्होंने कहा, ÷पश्चिम बंगाल में लोकतंत्र जैसा कुछ नहीं है। ऐसा लगता है कि वहां किम जोंग-उन की सरकार है। अधीर रंजन ने कहा है कि अगर हत्या भी हो जाए तो कोई नई बात नहीं होगी। यह ममता बनर्जी का लोकतंत्र है। जांच एजेंसी की एक टीम पर उत्तर 24 परगना जिले के संदेशखाली गांव में उस समय हमला किया गया और उसके वाहनों को क्षतिग्रस्त कर दिया गया, जब वह कथित राशन घोटाले के सिलसिले में टीएमसी के ब्लॉक स्तर के पदाधिकारी शाहजहां शेख और शंकर अद्या और उनके रिश्तेदारों के घर पर छापा मारने पहुंची थी। सजहान को राज्य मंत्री ज्योतिप्रियो मल्लिक का करीबी सहयोगी माना जाता है। उन्हें करोड़ों रुपये के राशन वितरण घोटाले के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया था। बड़ी संख्या में टीएमसी सदस्यों और समर्थकों ने ईडी अधिकारियों का घेराव किया और उनके साथ धक्का-मुक्की की।

अधिकारियों को अपने क्षतिग्रस्त वाहनों को वहीं छोड़ने और ऑटोरिक्शा और दोपहिया वाहनों से सुरक्षित स्थान पर जाने के लिए मजबूर होना पड़ा। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने भी अधिकारियों पर हमले की निंदा करते हुए इसे खतरनाक, निंदनीय और भयानक घटना बताया है। उन्होंने कहा, ÷यह एक भयानक घटना है। यह चिंताजनक और निंदनीय है। लोकतंत्र में बर्बरता को रोकना एक सभ्य सरकार का कर्तव्य है। यदि कोई सरकार अपने मूल कर्तव्य में विफल रहती है, तो भारत का संविधान अपना काम करेगा। उचित कार्रवाई के लिए मेरे सभी संवैधानिक विकल्प आरक्षित हैं। इस चुनाव पूर्व हिंसा का शीघ्र अंत होना चाहिए। यह उस अंत की शुरुआत है। उन्होंने कहा, बंगाल कोई बनाना रिपब्लिक नहीं है। सरकार को लोकतंत्र में बर्बरता बंद करनी चाहिए। इस बीच टीएमसी के साथ इंडिया गठबंधन में सहयोगी कांग्रेस ने भी ममता बनर्जी शासित राज्य में राष्ट्रपति शासन की मांग करके उस पर कड़ा प्रहार किया। पश्चिम बंगाल के प्रभारी और कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि राज्य में अब कानून व्यवस्था चरमरा गई हैय् उन्होंने कहा कि अगर टीएमसी शासित राज्य में अधिकारियों की हत्या हो जाए तो उन्हें आश्चर्य नहीं होगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

उत्तर प्रदेश सरकार, अच्छा है प्रोजेक्ट अलंकार

डॉ. दिलीप अग्निहोत्री

मुख्यमंत्री ने कहा कि था जब दुनिया कोरोना से त्रस्त थी, उस समय देश के लोगों को बचाने के साथ ही प्रधानमंत्री मोदी ने नई शिक्षा नीति दी। प्रधानमंत्री ने शिक्षक दिवस के अवसर पर गत वर्ष पांच सितंबर को पीएम श्री योजना की घोषणा थी। योजना को तेजी से लागू किया जा रहा है। पीएम श्री योजना के तहत उत्तर प्रदेश में 1753 विद्यालय चयनित हुए हैं। पहले चरण में 928 विद्यालय में योजना को शुरू किया जा रहा है। इसके तहत पहली कक्षा से बारहवीं तक को आधुनिक किया जाएगा।

योगी सरकार ने व्यवस्था में सुधार और विकास के नये आयाम बनाये हैं। इसमें शिक्षा व्यवस्था भी शामिल है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने भी शिक्षा क्षेत्र में योगी आदित्यनाथ के कार्यों का सराहना की है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के सरकारी विद्यालयों की स्थिति में बदलाव हुआ है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि अन्य योजनाओं की तरह पीएमश्री योजना भी उत्तर प्रदेश में बहुत सफलतापूर्वक लागू होगी। प्रधान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में उज्ज्वला योजना लागू की गई थी। यह योजना बलिया से शुरू की गई थी। हाल में प्रधानमंत्री मोदी अयोध्या में मीरा मांझी के घर गए। उन्हें दस करोड़ वां गैस कनेक्शन मिला है। उत्तर प्रदेश में केंद्र की योजनाओं को ठीक से लागू किया गया है। शिक्षा के क्षेत्र में बेहतरीन कार्य हुआ है।

योगी आदित्यनाथ और धर्मेंद्र प्रधान ने लखनऊ में पीएमश्री स्कूलों के आधुनिकीकरण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। चार सौ करोड़ से अधिक की धनराशि से आधुनिकीकरण का कार्य किया जाएगा। इसके साथ ही प्रोजेक्ट अलंकार के तहत माध्यमिक विद्यालयों में अवस्थापना सुविधाओं के संतृप्तीकरण के लिए करीब साढ़े तीन सौ करोड़ की धनराशि हस्तांरित की गयी। उत्तर प्रदेश में माध्यमिक और बेसिक शिक्षा पर इतना ध्यान पहले कभी नहीं दिया गया। ऑपरेशन कायाकल्प योगी आदित्यनाथ की अभिनव योजना रही है।

परिषदीय विद्यालयों में इंफ्रॉस्ट्रक्चर डेवलपमेंट के लिए ऑपरेशन कायाकल्प के पहले चरण में किए गए प्रयासों में आशातीत सफलता मिली। इस अवधि में परिषदीय विद्यालयों के इंफ्रॉस्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए ग्यारह हजार करोड़ रुपये खर्च किये गए। बेसिक शिक्षा परिषद तथा माध्यमिक शिक्षा परिषद के विद्यालयों में एक लाख चौसठ हजार से अधिक शिक्षकों की भर्ती की गई है।

बेसिक शिक्षा परिषद के विद्यालयों में करीब साठ नये विद्यार्थियों का नामांकन हुआ। सितंबर तक प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों के करीब दो लाख चालीस हजार शिक्षकों को टैबलेट उपलब्ध कराए जाएंगे। शिक्षकों को ट्रेनिंग दी गई।

टैबलेट में शासकीय कार्यक्रमों की योजनाओं के बारे में जागरुकता सामग्री प्री-लोडेड होगी।ऑपरेशन कायाकल्प के दूसरे चरण में इंफ्रॉस्ट्रक्चर के साथ शैक्षिक गुणवत्ता, पठन-पाठन का माहौल, तकनीकी दक्षता, डिजिटल लर्निंग और वोकेशनल शिक्षा की ओर बढ़ा जा रहा है। विद्यालयों में ह्यएट ग्रेड लर्निंगह्न की व्यवस्था हो रही है। मुख्यमंत्री अभ्युदय कम्पोजिट विद्यालयों को प्रारम्भिक तौर पर पायलट प्रोजेक्ट के रूप में लिया जाएगा। सभी जनपदों में एक विद्यालय मुख्यमंत्री अभ्युदय कम्पोजिट विद्यालय के रूप में विकसित किया जाएगा। प्रोजेक्ट अलंकार के तहत माध्यमिक विद्यालयों के जीर्णोद्धार कार्य को तेजी से आगे बढ़ाया जाएगा। शासकीय के साथ-साथ वित्त पोषित अशासकीय विद्यालयों में सम्बन्धित प्रबन्ध तंत्र के सहयोग से जीर्णोद्धार होगा।

नीति आयोग की रिपोर्ट में कहा गया कि उत्तर प्रदेश विकसित प्रदेश बनने की दिशा में अग्रसर है। छह वर्ष में साढ़े पांच करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर आ चुके हैं। लोग समर्थ और सक्षम बन रहे हैं। नीति आयोग के निर्धारित मानकों में शिक्षा सबसे महत्वपूर्ण है। नई शिक्षा नीति लागू होने के बाद शिक्षा के सभी स्तरों पर व्यापक सुधार हुआ है। राज्य में करीब साढ़े सात सौ कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों के क्रमिक उन्नयन तथा आंगनबाड़ी केन्द्रों को प्री-प्राइमरी के रूप में विकसित करने का कार्य किया जा रहा है। बेसिक शिक्षा परिषद के विद्यालयों के छात्र-छात्राओं को ड्रेस, स्वेटर, स्कूल बैग, जूता-मोजा एवं स्टेशनरी क्रय के लिए धनराशि का डीबीटी के माध्यम से अन्तरण किया जाता है।

योगी सरकार ने नकल विहीन परीक्षा सुनिश्चित की गई। इससे देश में उत्तर प्रदेश की शिक्षा का महत्व और सम्मान बढ़ा है। शिक्षा में किया गया निवेश कभी व्यर्थ नहीं जाता। शिक्षा देश और समाज के भविष्य को संवारने का माध्यम है। छह वर्ष पहले प्रदेश में मात्र बारह राजकीय मेडिकल कॉलेज थे। विगत छह वर्षों के प्रयास के बाद आज पैंतालीस जनपदों में सरकारी मेडिकल कॉलेज संचालित हैं। आज प्रदेश में बाइस राज्य विश्वविद्यालय व तीन केन्द्रीय विश्वविद्यालय संचालित हैं। छत्तीस निजी विश्वविद्यालय, दो एम्स हैं। दो आईआईटी व आईआईएम संचालित हैं। दो हजार से अधिक पॉलिटेक्निक व वोकेशनल इंस्टीट्यूट भी संचालित हैं। कुछ दिन बाद हर जिले में विश्वविद्यालय होंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि था जब दुनिया कोरोना से त्रस्त थी, उस समय देश के लोगों को बचाने के साथ ही प्रधानमंत्री मोदी ने नई शिक्षा नीति दी। प्रधानमंत्री ने शिक्षक दिवस के अवसर पर गत वर्ष पांच सितंबर को पीएम श्री योजना की घोषणा थी। योजना को तेजी से लागू किया जा रहा है। पीएम श्री योजना के तहत उत्तर प्रदेश में 1753 विद्यालय चयनित हुए हैं। पहले चरण में 928 विद्यालय में योजना को शुरू किया जा रहा है। इसके तहत पहली कक्षा से बारहवीं तक को आधुनिक किया जाएगा।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

संपादकीय

जांच से ही उठेगा पर्दा

टकसाल बनी क्लिनिक केजरीवाल सरकार की ह्यमोहल्ला क्लिनिकह्न आम आदमी की सेहत जांच करने के बजाए अकूत धन कमाने की एक मशीन बन रह गई है। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना की इसकी सीबीआई जांच के आदेश के बाद मुख्यमंत्री केजरीवाल की मुश्किलें बढ़ गई हैं। उनके विरुद्ध शराब की दरों के हेर-फेर के मामले में प्रवर्त्तन निदेशालय की जांच चल रही है। इसी मामले में उनके उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया एवं राज्य सभा सांसद संजय सिंह जेल में हैं। दारू से दवा तक की व्यवस्थित लूटपाट का यह प्रकरण एक जन आंदोलन से जन्मी आम आदमी पार्टी सरकार के प्रतिबद्ध सरोकारों के असमय काल-कलवित होने की त्रासदी है। इसमें सत्ता जन या जनाकांक्षा से नहीं, संसाधनों की अंधाधुंध लूट से निर्देशित होने लगती है। तब स्वास्थ्य जैसा बुनियादी मानवीय मुद्दा और उसके लिए नायाब सोच से चलाया जा रहा लोक-हितैषणा का अति महत्त्वाकांक्षी कार्यक्रम भी जान बचाने का नहीं, जान से खिलवाड़ का मसला बन जाता है। मोहल्ला क्लिनिक में आए मरीजों को एक्सपायरी दवाएं देना या मानक वाली दवाएं न देना उन्हें अंतहीन मजरे की ओर धकेलना ही तो कहा जाएगा। वह भी तब जबकि दवा की पर्ची लिखने वाले डॉक्टर्स ही क्लिनिक नहीं आ रहे थे-जैसा कि सरकार खुद कहती है-पर उनकी हाजिरी लग रही थी। यह किसकी और कैसी सेटिंग्स से और कब से चल रहा था? फिर उन दवाओं की पर्ची कौन और किस विशेषज्ञता से लिख रहा था और इसके जरिए मरीजों को धीमी मौत देने का गुनाह कर रहा था? यह इस प्रकरण का घोर अमानवीय एवं आपराधिक पक्ष है। पैथोलॉजी और रेडियोलॉजी के रिकार्ड टेस्ट के समय और संभाव्यता के लिहाज से अवास्तविक आंकड़ों का संबंध सीधे-सीधे राजस्व की बेलगाम लूट से है। चार घंटे की कार्यावधि में 500 मरीज देखे गए। एक ही मोबाइल नम्बर या बिना नम्बर वाले फर्जी मरीजों के फर्जी बिलों के आधार पर जांच प्राइवेट लैब में कराई गई और भुगतान में लाखों-करोड़ों के वारे-न्यारे किए गए। इस गोरखधंधे में मोहरा केवल डॉक्टर्स हैं या कोई बिचौलिया या फिर आप सरकार का कोई नुमाइंदा, यह जांच का विषय है, परंतु आप के मंत्री ने इस मामले को गत सितम्बर में ही उजागर करने और केंद्र के स्वास्थ्य सचिव को तभी से हटाने की मांग का उल्लेख करते हुए गेंद केंद्र के पाले में डालने की कोशिश की है। सच जांच से सामने आएगा।

चिंतन-मनन

धर्मराज युधिष्ठिर ने निभाया था भ्रातृ धर्म

गहन वन से तृषार्त पाण्डव गुजर रहे थे। पानी की तलाश में वे इधर-उधर घूम ही रहे थे कि अकस्मात उन्हें एक सरोवर दिखाई दिया। भीम, अर्जुन, नकुल और सहदेव जल पीने के पूर्व ही मृत्यु का ग्रास बन गए। कारण यह था कि एक यक्ष ने उनसे प्रश्न किए थे, किंतु उन्होंने उस ओर ध्यान नहीं दिया और बिना जवाब दिए ही पानी पीने लगे। लेकिन वे यक्ष का कोपभाजन बने और उन्हें मृत्यु प्राप्त हुई। इतने में युधिष्ठिर आए और पानी पीने की कोशिश करने लगे। उनसे भी यक्ष ने प्रश्न किए, जिनके युधिष्ठर ने समुचित उत्तर दे दिए। तब यक्ष ने प्रसन्न होकर कहा, तुम जल पीने के अधिकारी हो। मेरी इच्छा है कि तुम्हारे चारों भ्राताओं में से किसी एक को जीवन दान दूं। बोलो, मैं किसे पुनर्जीवित करूं?

प्रश्न बड़ा ही विचित्र था और साथ ही कठिन भी, क्योंकि युधिष्ठिर को चारों भाई एक समान प्रिय थे, तथापि एक क्षण भी सोचे बिना वे बोले, यक्षश्रेष्ठ आप नकुल को ही जीवन दान दें। यक्ष हंस पड़ा और बोला, धर्मराज, कौरवों से युद्ध में भीम की गदा और अर्जुन का गांडीव बड़ा ही उपयोगी सिद्ध होगा। इन दो सगे भाइयों को छोड़कर नकुल का जीवन क्यों चाहते हो। धर्मराज बोले, यक्षश्रेष्ठ हम पांचों भ्राता ही माताओं के स्नेह चिह्न हैं। माता पुंती के पुत्रों से मैं शेष हूं, किंतु माद्री मां के तो दोनों ही पुत्र मर चुके हैं। अत? यदि एक के ही जीवन का प्रश्न है, तो माद्री मां के नकुल का ही पुनर्जीवन इष्ट है। यक्ष ने सुना, तो भावविह्वल हो बोला, युधिष्ठिर तुम धर्मतत्व के ज्ञाता हो, मैं तो सिर्फ तुम्हारी परीक्षा ले रहा था कि तुम वास्तव में धर्म के अवतार हो या नहीं। अतएव मैं चारों भाईयों को जीवन देता हूं।

जमीनी हकीकत से अंजान अहंकारी निर्णय ठीक नहीं होते

पिछले दिनों दिल्ली, यूपी, बिहार, गुजरात समेत अन्य राज्यों में जनजीवन ट्रक और बस ड्राइवरों की अचानक हुई हड़ताल से थम सा गया। पेट्रोल,डीजल, दूध, खाद्यान्न समेत सारी आवश्यक वस्तुओं की सप्लाई चरमराती दिखी और पब्लिक ट्रांसपोर्ट पूरी तरह ठप हो गया। लोग छोटी मोटी दूरियों का सफर करने में भी परेशान हो गए। शुक्र है कि परिस्थितियां त्राहि-त्राहि मचने के पहले ही संभल गईं ।

हड़ताल का कारण पिछले हफ्ते लागू नए आपराधिक न्याय विधेयक के प्रावधान रहे जिनके तहत लापरवाही या तेज स्पीड से गाड़ी चलाते दुर्घटना होने और पुलिस को बताए बिना फरार हो जाने पर ड्राइवर को 10 साल की सजा और 7 लाख जुमार्ना हो सकता है। न भागने पर भी पांच साल की सजा हो सकती है। दोनों ही मामले गैर-जमानती भी हैं यानी थाने से जमानत नहीं मिलेगी। पुराने कानून के मुताबिक अधिकतम दो साल की सजा है और थाने से जमानत भी मिल जाती है।

हड़ताली ड्राइवरों का कहना है कि वह जानबूझकर हादसों को न्योता नहीं देते। ज्यादातर दुर्घटनाएं छोटी गाड़ी वालों की गलती से होती हैं मगर भीड़ उन पर टूट पड़ती है और मारपीट तो छोड़िए हत्या तक पर उतारू हो जाती है। ऐसे में अगर वो दुर्घटना के बाद रुके तो भीड़ उन्हें मार डालेगी और अगर नहीं रुकते हैं तो सरकार मार डालेगी। 10-15 हजार रुपये महिना कमाने वाले ड्राईवर सात लाख रुपये का जुमार्ना कहां से देंगे। ऐसी दुर्घटनाओं से संबंधित खबरों का इतिहास टटोलें तो लगेगा की ड्राइवरों की बातों में सच्चाई है। दुर्घटना हुई नहीं कि छुटभैये नेता गुस्साई भीड़ का निजाम अपने हाथों में थाम लेते हैं और वाहनों को आग लगाने, ड्राइवर को अधमरा होने तक पीटने जैसी घटनाएं हो जाती हैं।

सच कहें तो देश की आपूर्ति व्यवस्था की जीवन रेखा कहे जाने वाले लगभग 80 लाख ड्राइवरों की हालत दयनीय है। हफ्तों घर परिवार से दूर देश भर की खाक छानने वाले इन ड्राइवरों की मासिक आमदनी 25 हजार से भी कम है। सेवलाईफ फाउंडेशन का सर्वे बताता है कि आधे से अधिक ड्राइवर अन्य विकल्प न होने के कारण यह काम करने पर मजबूर हैं। उनमें असंतोष के प्रमुख कारणों में पुलिस/आरटीओ की गुंडागर्दी, परिवार के साथ वक्त बिताने के बहुत कम मौके, ऐक्सिडेंट की आशंका में जिंदगी का खतरा और काम की कोई निश्चित समय-सीमा नहीं होना शामिल हैं।

बहरहाल अखिल भारतीय परिवहन कांग्रेस (AIMTC) और गृह मंत्रालय के बीच लंबी बातचीत हुई और सरकार ने उन्हें आश्वासन दिया कि कानून अभी लागू नहीं हुआ है। नए प्रावधान लागू करने से पहले अखिल भारतीय परिवहन कांग्रेस से विचार विमर्श किया जाएगा। इस आश्वासन के बाद हड़ताल वापस हुई और जनता ने राहत की सांस ली। दबाव के आगे न झुकने की छवि वाली सरकार के दो ही दिनों में झुक जाने के राजनीतिक मायने भी निकाले गए। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर सरकार ने समझौते का रास्ता ही ठीक समझा। हड़ताल जारी रहने की स्थिति में उत्तर भारतीय राज्यों के नजरिए से महत्वपूर्ण 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा की चर्चा नेपथ्य में जाने का खतरा था। आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति बाधित होने से कीमतें बढ़ने और अर्थव्यवस्था को गंभीर रूप से प्रभावित होने की परिस्थितियां भी बन सकती थीं जो आसन्न लोकसभा चुनावों में पार्टी की विजय के लिए खतरनाक होतीं।

इस बीच शाजापुर कलेक्टर का कारनामा भी चर्चा में रहा। साहब हड़ताल तोड़ने और व्यवस्था पुनर्स्थापित करने की महत्वपूर्ण कोशिश के लिए ड्राइवरों से बात करते करते अचानक तैश में आ गए और एक ड्राइवर को उसकी औकात याद दिला बैठे। चालक ने भी कह दिया : औकात ही तो नहीं है हमारी, वही बनाने की कोशिश तो कर रहे हैं। बात पते की थी। शासकीय परिभाषा में जनसेवक कहलाए जाने वाले कलेक्टर की बात निहायत शर्मनाक तो थी ही, गंभीर परिस्थितियों में रास्ता निकालने की उनकी मूलभूत शासकीय जिम्मेदारी के भी सर्वथा विपरीत थी। भला हो मुख्यमंत्री का कि घटना का तत्काल संज्ञान लिया और कलेक्ट्री के जलवे बिखेरने वाले साहब खेद प्रकट करने और लाइन अटैच हो कर कुर्सी तोड़ने पर मजबूर हो गए। अफसर सरकार चला रही राजनीतिक पार्टी का सार्वजनिक चेहरा होते हैं। इन्हीं से जनता सरकार को पहचानती है। पिछले कुछ सालों से सरकारी नेतृत्व अफसरों के माध्यम से सीधे ही प्रशासन पर नियंत्रण की एक परंपरा के चलते उन पर निर्भर सा हो गया है। यही निर्भरता अफसरों को निरंकुश बना देती है। आजादी के बाद कितना भी परिवर्तन क्यों न हुआ हो, ब्रिटिश शासन द्वारा मूलतः राजा और प्रजा के सिद्धांत पर लागू उच्च प्रशासनिक व्यवस्था आज भी पुराने ढर्रे पर कायम है। उम्मीद है कि मुख्यमंत्री इस कदम को इसी एक घटना तक सीमित नहीं रखेंगे और निरंतर ऐसे कदम उठाएंगे जिससे पार्टी और सरकार की जनहितैषी नीति का वास्तविक चेहरा लोगों तक पहुंच सके।

यह सवाल उठना भी स्वाभाविक है कि पिछले हफ्ते ही पास कानूनों के प्रावधानों पर पुनर्विचार के उपरांत लागू किए जाने की घोषणा की परिस्थितियां बनी ही क्यों ? कानून बनाने के पूर्व ही चर्चा जरूरी क्यों नहीं जरूरी समझी गई? यही कुछ दो साल पहले अध्यादेश रूट से लाए गए कृषि कानूनों के साथ भी हुआ था। वसुधैव कुटुंबकम् की बात करने वाले हम यह क्यों भूल जाते हैं कि सामाजिक और राजनीतिक विचार विमर्श ही स्वस्थ प्रजातंत्र और प्रशासन की कुंजी है। नीति निर्धारण में जमीनी हकीकतों से अनजान अहंकारी अफसरों पर ही निर्भरता अच्छी नहीं है।

- चैतन्य भट्ट

मिजोरम : शरणार्थियों के कारण मुसीबत

पंकज चतुर्वेदी

मणिपुर में हिंसा थम नहीं रही। बीते सौ दिनों से चल रही हिंसा ने करीबी राज्य मिजोरम की दिक्कतें और बढ़ा दी हैं। जहां भी कुकी लोगों को खतरा लग रहा है वे पलायन कर करीबी राज्य में चले जा रहे हैं। म्यांमार में लंबे समय से चल रही अशांति से उपजे पलायन का बोझ तो पहले से ही मिजोरम उठा रहा था। एक तो शरणार्थियों का आर्थिक और सामाजिक भार, दूसरा इस इलाके में उभरती सामरिक और आपराधिक दिक्कतें। विदित हो भारत और म्यांमार के बीच कोई 1,643 किलोमीटर की सीमा है, जिनमें मणिपुर, अरुणाचल प्रदेश और नागालैंड का बड़ा हिस्सा है। मिजोरम के छह जिलों की कोई 510 किलोमीटर सीमा म्यांमार से लगती है और अधिकांश खुली हुई है। अभी तीस दिसम्बर को म्यांमार सेना के 151 'तात्मदाव' जवान मे हथियार के साथ भारतीय सीमा में लवंगताई जिले के टुइसेंटलॉग गांव के पास घुस आए। इनमें से कई घायल थे, असम राइफल्स इनकी देखभाल कर रही है।

महज 12.7 लाख के आबादी वाले छोटे से राज्य मिजोरम में इस समय म्यांमार और बांग्लादेश से आए चालीस हजार से अधिक शरणार्थी आसरा पाए हुए हैं। कोविड और केंद्र सरकार से मिलने वाले केंद्रीय कर का हिस्सा ना मिलने के कारण राज्य सरकार पर पहले से ही वित्तीय संकट मंडरा रहा है। हजारों शरणार्थिंयों के आवास, भोजन और अन्य व्यय पर राज्य सरकार को तीन करोड़ रुपए हर महीने खर्च करने पड़ रहे हैं और इसके चलते बहुत से सरकारी कर्मचारियों के वेतन और पेंशन का सही समय पर भुगतान नहीं हो पा रहा है। पिछले साल अगस्त-सितम्बर में भी जब म्यांमार में सुरक्षा बलों और भूमिगत संगठन अरकान आर्मी के बीच खूनी संघर्ष हुआ था सैकड़ों शरणार्थी भारत की सीमा में लावंग्तालाई जिले में वारांग और उसके आसपास के गांवों आ गए थे। लावंग्तालाई जिले में ही कोई 5909 शरणार्थी हैं। चम्फाई और सियाहा जिलों में इनकी बड़ी संख्या है। राज्य के गृह मंत्री लाल्चामालियान्न विधान सभा में बता चुके हैं कि राज्य में इस समय 35 हजार म्यांमार के शरणार्थी हैं और इनमें से 30,177 लोगों को कार्ड भी जारी कर दिए गए हैं। इसके अलावा चटगांव पहाड़ी (बांग्लादेश) में शांति के कारण कोई एक हजार लोग वहां के हैं। 12,600 शरणार्थी अभी तक मणिपुर से पहुंच चुके हैं। आज यहां शरणार्थिंयों की वैध संख्या पचास हजार हो चुकी है। हाल ही में राज्य सरकार ने बताया कि बढ़ते शरणार्थी का बोझ अब वहां सरकारी विद्यालयों पर पड़ रहा है । अभी कोई 8100 शरणार्थी बच्चे यहां के स्कूलों में हैं। इनमें 6366 म्यांमार के, 250 बांग्लादेश और 1503 मणिपुर से हैं। इन बच्चों के लिए मिड डे मिल से लेकर किताबों तक का अतिरिक्त बोझ राज्य सरकार पर है। पड़ोसी देश म्यांमार में उपजे राजनैतिक संकट के चलते हमारे देश में हजारों लोग अभी आम लोगों के रहम पर अस्थाई शिविरों में रह रहे हैं। यह तो सभी जानते हैं कि राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के पास किसी भी विदेशी को 'शरणार्थी' का दर्जा देने की कोई शक्ति नहीं है। यही नहीं भारत ने 1951 के संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी सम्मेलन और इसके 1967 के प्रोटोकॉल पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं। हमारे यहां शरणार्थी बन कर रह रहे इन लोगों में कई तो वहां की पुलिस और अन्य सरकारी सेवाओं के लोग हैं, जिन्होंने सैनिक तख्ता पलट का सरेआम विरोध किया था और अब जब म्यांमार की सेना हर विरोधी को गोली मारने पर उतारू है सो उन्हें अपनी जान बचने को सबसे मुफीद जगह भारत ही दिखाई दी, लेकिन यह कड़वा सच है कि पूर्वोत्तर भारत में म्यामार से शरणार्थियों का संकट बढ़ रहा है। उधर असम में म्यांमार की अवैध सुपारी की तस्करी बढ़ गई है और इलाके में सक्रिय अलगाववादी समूह म्यांमार के रास्ते चीन से इमदाद पाने में इन शरणार्थिंयों की आड़ ले रहे हैं। ऐसे में असली शरणार्थी और संदिग्ध में विभेद का कोई तंत्र विकसित हो नहीं पाया है और यह अब देश की सुरक्षा का मुद्दा भी है। भारत के लिए यह विकट दुविधा की स्थिति है कि उसी म्यांमार से आए रोहिंग्या के खिलाफ देश भर में अभियान और माहौल बनाया जा रहा है, लेकिन अब जो शरणार्थी आ रहे हैं वे गैर मुस्लिम ही हैं-यही नहीं रोहिंग्या के खिलाफ हिंसक अभियान चलाने वाले बौद्ध संगठन अब म्यांमार फौज के समर्थक बन गए हैं।

म्यांमार से आ रहे शरणार्थिंयों का जत्था केंद्र सरकार के लिए दुविधा बना हुआ है। असल में केंद्र नहीं चाहती कि म्यांमार से कोई भी शरणार्थी यहां बसे क्योंकि रोहिंग्या के मामले में केंद्र का स्पष्ट नजरिया है, लेकिन यदि इन आगंतुकों का स्वागत किया जाता है तो धार्मिक आधार पर शरणार्थिंयों से दुर्भाव करने से दुनिया में भारत की किरकिरी हो सकती है। मिजोरम सरकार केंद्रीय गृह मंत्रालय को बता चुकी है कि वह म्यांमार में शांति स्थापित होने तक किसी भी शरणार्थी को जबरदस्ती सीमा पर नहीं धकेलेगी। जब विदेश के शरणार्थिंयों को वापस नहीं भेजा जा सकता तो अपने ही देश के दूसरे राज्यों के लोगों को तो रोक सकते नहीं।

नेकेड शॉर्ट सेलिंग पर सेबी ने लिया एक्शन, बाजार में लगाया बैन

नई दिल्ली ।

सेबी की ओर से नेकेड शॉर्ट सेलिंग पर बड़ा फैसला लिया गया है। जानकारी के अनुसार बाजार नियामक द्वारा नेकेड शॉर्ट सेलिंग को पूरी तरह से बैन कर दिया गया है। हालांकि, शॉर्ट सेलिंग अभी की जा सकती है, लेकिन इस स्थिति में सेटेलमेंट के समय शेयरों की डिलीवरी देनी होगी। जानकारों की मानें तो शॉर्ट सेलिंग' का आशय उस शेयर को बेचने से है जो सौदे के समय विक्रेता के पास होता ही नहीं है। इसके अलावा सेबी की ओर से संस्थागत निवेशकों को द्वारा की जाने वाली डे-ट्रेडिंग और इंट्राडे ट्रेड पर पूरी तरह से पाबंदी लगा दी गई है। ऐसे में अब संस्थागत निवेशकों की ओर से की जाने वाली इंट्राडे ट्रेडिंग अब पूरी तरह से बंद हो जाएगी। इस मामले में सेबी की ओर से जारी किए गए सर्कुलर में कहा गया कि शॉर्ट सेलिंग के लिए उपलब्ध स्टॉक्स की लिस्ट का सेबी नियमित अंतराल पर समीक्षा करेगी। बाजार नियामक द्वारा ये निर्णय शॉर्ट सेलिंग के नियमों को सख्त बनाने के लिए किए गए हैं। अब ब्रोकर को शेयर-आधारित शॉर्ट सेलिंग के बारे में ब्योरा जुटाने, आंकड़ा एकत्रित करने और अगले कारोबारी दिन व्यापार शुरू होने से पहले स्टॉक एक्सचेंजों पर उसे अपलोड करना होगा।

सेबी द्वारा जारी सर्कुलर में आगे कहा गया कि स्टॉक्स एक्सचेज ऐसे ब्रोकर्स के खिलाफ एक्शन लेने के नियम बनाएंगे, जो सेटेलमेंट के समय स्टॉक्स की डिलीवरी नहीं दे पाएंगे। यह कदम सुप्रीम कोर्ट द्वारा सेबी को यह जांचने के लिए कहने के बाद आया है कि क्या निवेशकों को नुकसान हुआ है और क्या पिछले साल यूएस शॉर्ट सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट से पहले कानून का उल्लंघन करके कोई शॉर्ट पोजीशन बनाई गई थी।

गौरतलब है कि हिंडनबर्ग की रिपोर्ट में आरोप लगाया गया था कि अडानी समूह में वित्तीय गड़बड़ी है।

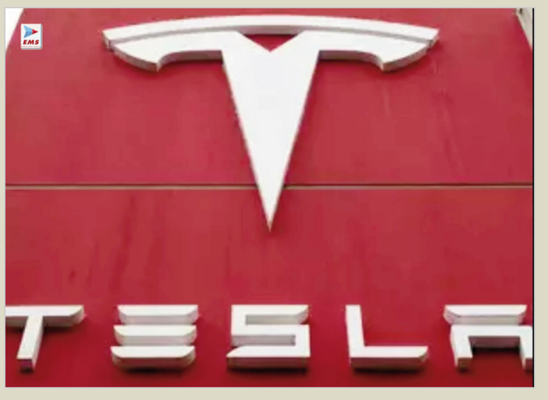

डोर लॉक में गड़बड़ी, टेस्ला ने 16 लाख से अधिक कारों को वापस बुलाया

नई दिल्ली । डोर लॉक में गड़बड़ी के चलते अमेरिकी कंपनी टेस्ला ने चीन से 16 लाख से अधिक कारों को वापिस बुलाया है। रिकॉल में जो कारें शामिल हैं उनमें मॉडल एस, एक्स, 3, वाई और 7,538 आयातित वाहन बताये जा रहे हैं। कंपनी ने बताया कि डोर लॉक सिस्टम में गड़बड़ी और स्वचालित स्टीयरिंग के फंक्शन में समस्या के चलते कारों को रिकॉल किया गया है। मिली जानकारी के अनुसार चीन के बाजार नियामक प्रशासन ने शुक्रवार को रिकॉल की घोषणा की। सूचना में कहा गया है कि बीजिंग और शंघाई में टेस्ला मोटर्स गड़बड़ियों को ठीक करने के लिए रिमोट अपग्रेड तकनीक का इस्तेमाल करेगी। इसके ज्यादातर मामलों में कार मालिकों को अपग्रेड प्राप्त करने के लिए टेस्ला सेवा केंद्रों पर जाने की जरूरत नहीं होगी। कंपनी ने बताया कि वर्तमान सिस्टम में स्वचालित स्टीयरिंग फंक्शन का इस्तेमाल करने वाले ड्राइवरों की ओर से संयुक्त ड्राइविंग सिस्टम का दुरुपयोग करने की आशंका है। इससे दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है। यहां गौरतलब है कि इससे पहले टेस्ला ने पिछले महीने अमेरिका में 20 लाख से अधिक ईवी को रिकॉल किया था। यह रिकॉल यूएस नेशनल हाईवे ट्रैफिक सेफ्टी एडमिनिस्ट्रेशन की ओर से दो साल की जांच के बाद किया गया था। जांच के दौरान सिस्टम में खो मियां देखी गई थी।

जेएसडब्ल्यू स्टील ओडिशा में लगाएगी हजारों एकड़ में नया प्लांट

नई दिल्ली । ओडिशा में जेएसडब्ल्यू स्टील के प्लांट लगाने में आ रही सारी रुकावटें दूर हो चुकी हैं। कंपनी को जरूरी मंजूरियों के बाद जमीन का कब्जा भी मिल गया है। अब जल्दी ही कंपनी का हजारों एकड़ का यह स्टील प्लांट बनकर तैयार होगा। जेएसडब्ल्यू स्टील ने एक दिन पहले इस बारे में शेयर बाजारों को सूचित किया था। कंपनी ने कहा कि उसकी सब्सिडियरी जेएसडब्ल्यू उत्कल स्टील लिमिटेड को ग्रीनफील्ड इंटीग्रेटेड स्टील प्लांट लगाने के लिए ओडिशा के राजनगर में 2,677.80 एकड़ वन विभाग की भूमि का कब्जा मिल गया है। कंपनी को इसके लिए 2022 में पर्यावरण संबंधी मंजूरियां प्राप्त हो गई थीं, जिन्हें 2023 में फिर से वैलिडेट किया गया था। कंपनी 272.51 एकड़ नॉन-फॉरेस्ट लैंड को भी लीज पर ले चुकी है। कंपनी ने बताया कि उसकी सब्सिडियरी को 13.2 मिलियन टन सालाना क्रूड स्टील की क्षमता वाला प्लांट लगाने के लिए केंद्रीय पर्यावरण एवं वन मंत्रालय से 2022 में मंजूरियां मिल गई थीं। मंत्रालय के द्वारा अतिरिक्त व संशोधित पर्यावरण संबंधी मंजूरियों के साथ उन्हें सितंबर 2023 में फिर से वैलिडेट किया गया था। प्रोजेक्ट के लिए कुल 2,950.31 एकड़ जमीन की जरूरत थी। जेएसडब्ल्यू स्टील के इस इंटीग्रेटेड प्लांट में सीमेंट व पावर प्लांट भी होंगे। ओडिशा के राजनगर में पहले कोरियाई कंपनी पोस्को का प्लांट लगने वाला था। हालांकि उसे जमीन अधिग्रहण में स्थानीय लोगों के भारी विरोध का सामना करना पड़ा था। आवश्यक मंजूरियां मिलने में भी देरी हो रही थी। अंततः पोस्को ने प्रोजेक्ट से हाथ पीछे खींच लिया था। पोस्को की योजना 12 मिलियन टन सालाना क्षमता वाला प्लांट लगाने की थी। यह प्लांट ओडिशा के पारादीप पोर्ट के नजदीक है।

अगले पांच साल में मोदी समूह करेगा 6,000 करोड़ का निवेश

नई दिल्ली । अगले पांच साल में मोदी समूह दो रियल एस्टेट परियोजनाओं में 6,000 करोड़ रुपए के निवेश करने पर विचार कर रहा है। समूह (पूर्व में बीके मोदी समूह) के संस्थापक भूपेंद्र मोदी ने कहा कि मोदी समूह 4,000 करोड़ रुपए के निवेश से दिल्ली के साकेत में एक हैल्थ सिटी विकसित करेगा। इसके अलावा समूह ने उत्तर प्रदेश के रामपुर जिले के मोदीपुर में शहर विकास परियोजनाओं में 2,000 करोड़ रुपए का निवेश करने पर विचार करेगा। हाल ही में मोदी ने एक कार्यक्रम में कहा कि साकेत परियोजना में एक शहर, अस्पताल और अन्य परियोजनाएं होंगी और मोदीपुर में हमारे पास नगर विकास होगा, जहां हम एक संपूर्ण शहर का निर्माण करेंगे। तब हमारे पास निवेश करने के लिए कुछ और जगह होगी। मोदी का कहना है कि समूह देश के बाहर भी 2,000 करोड़ रुपए का निवेश की योजना बना रहा है। हालांकि उन्होंने इसके बारे में और कुछ भी कहने से इनकार किया है। भूपेंद्र मोदी ने कहा कि यह कुल 8,000 करोड़ रुपए होगा। साकेत परियोजना में 20 लाख वर्गफुट क्षेत्रफल में तीन प्रमुख इमारतें होंगी। इनमें आवासीय इमारतों के अलावा

देश की अर्थव्यवस्था के 7.3 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान

नई दिल्ली । देश की अर्थव्यवस्था के वित्त वर्ष 2023-24 में 7.3 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है, जबकि पिछले वित्त वर्ष में यह 7.2 प्रतिशत थी। एक सरकारी अनुमान में यह संभावना जाहिर की गई। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने राष्ट्रीय आय के बारे में अपने पहले अग्रिम अनुमान में कहा कि वित्त वर्ष 2023-24 में वास्तविक जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) यानी 2011-12 की स्थिर कीमतों पर जीडीपी के 171.79 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान है। वित्त वर्ष 2022-23 के लिए जीडीपी के 160.06 लाख करोड़ रुपये रहने का अस्थायी अनुमान 31 मई 2023 को जारी किया गया था। आधिकारिक बयान के मुताबिक, चालू वित्त वर्ष में देश की वास्तविक जीडीपी में वृद्धि 7.3 प्रतिशत रहने का अनुमान है जबकि पिछले वित्त वर्ष में यह 7.2 प्रतिशत रही थी। वित्त वर्ष 2023-24 में मौजूदा कीमतों पर जीडीपी 296.58 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान है जबकि 31 मई, 2023 को जारी वर्ष 2022-23 के अस्थायी अनुमानों के मुताबिक जीडीपी 272.41 लाख करोड़ रुपये थी। एनएसओ के मुताबिक, वर्ष 2023-24 में मौजूदा कीमतों पर जीडीपी की वृद्धि दर 8.9 प्रतिशत रहने का अनुमान है जबकि 2022-23 में यह 16.1 प्रतिशत थी। रिजर्व बैंक ने पिछले महीने द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा में 2023-24 के लिए देश की जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान 6.5 प्रतिशत से बढ़ाकर सात प्रतिशत कर दिया।

बीता सप्ताह शेयर बाजार के लिए उतार-चढ़ाव भरा रहा

मुंबई ।

वैश्विक बाजारों से मिलेजुले संकेतों की वजह से घरेलू शेयर बाजार में बीते सप्ताह उतार-चढ़ाव भरा कारोबार देखा गया। सोमवार और बुधवार को शेयर बाजार की शुरुआत गिरावट के साथ तो हुई ले किन बाद में बढ़त के साथ बंद हुए। वहीं मंगलवार को बाजार में गिरावट रही तो गुरुवार और शुक्रवार को सेंसेक्स और निफ्टी में तेजी दर्ज की गई। शेयर बाजार के पूरे सप्ताह के कारोबार पर नजर डालें तो भारतीय शेयर बाजार 2024 के पहले दिन सोमवार को गिरावट के साथ खुले। बीएसई सेंसेक्स 155 अंक की गिरावट के साथ 72,085 पर खुला और 31.68 अंकों की बढ़त के साथ 72,271.94 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 50 अंकों की गिरावट के साथ 21,694 पर खुला और 10.50 अंकों की मजबूती के साथ 21,741.90 पर बंद हुआ। मंगलवार को प्रमुख भारतीय शेयर सूचकांक मामूली गिरावट के साथ खुले। बीएसई सेंसेक्स 127 अंक की गिरावट के साथ 72,144 पर खुला और 379.46 अंकों की गिरावट के साथ 71,892.48 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 18 अंक की गिरावट के साथ 21,723 पर खुला और 76.11 अंक फिसलकर 21,665.80 पर बंद हुआ। वैश्विक बाजारों में गिरावट के बाद भारतीय बेंचमार्क शेयर सूचकांक बुधवार को लगातार दूसरे सत्र में गिरावट के साथ खुले। बीएसई सेंसेक्स 203 अंक की गिरावट के साथ 71,689 के स्तर पर खुला और 535.88 अंकों की बढ़त के साथ 71,356.60 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 51 अंकों की गिरावट के साथ 21,614 के स्तर पर खुला और 148.46 अंक टूट कर 21,517.35 पर बंद हुआ। शेयर बाजार में हफ्ते के चौथे कारोबारी दिन गुरुवार को हरे निशान पर शुरुआत हुई। इस दौरान सेंसेक्स 300 अंकों की बढ़त के साथ 71,700 पर खुला और 490.97 अंकों की बढ़त के साथ 71,847.57 के लेवल पर बंद हुआ। निफ्टी 80 अंकों की मजबूती के साथ 21,600 के लेवल पर खुला और 141.25 अंकों की बढ़त के साथ 21,658.60 पर बंद हुआ। अगले सप्ताह से शुरू होने वाले तिमाही परिणामों से पहले बैंकिंग, वाहन, ऊर्जा और आईटी शेयरों की अगुवाई में भारतीय शेयर सूचकांक शुक्रवार को लगातार दूसरे सत्र में बीएसई सेंसेक्स 277 अंक की बढ़त के साथ 72,125 पर खुला और 178.58 अंकों की बढ़त के साथ 72,026.15 अंकों पर बंद हुआ। निफ्टी 89 अंकों की तेजी के साथ 21,748 पर खुला और 52.21 अंकों की मजबूती के साथ 21,710.80 पर बंद हुआ।

अब डाकघरों में भी बदले जा सकेंगे 2000 के नोट, आरबीआई का बड़ा अपडेट

मुंबई ।

अब डाकघरों में भी 2000 रुपये के नोट बदले जा सकेंगे। इसके लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने नोटिफिकेशन जारी किया है। आरबीआई ने कहा है कि चलन से वापस लिए जा चुके 2,000 रुपये के नोट डाकघरों की मदद से भी बदले जा सकते हैं। रिजर्व बैंक ने अपनी वेबसाइट पर अक्सर पूछे जाने वाले सवालों (एफएक्यू) के एक समूह में कहा कि लोग अपने बैंक खाते में राशि प्राप्त करने के लिए किसी भी डाकघर से उसके 19 कार्यालयों में से किसी को भी 2,000 रुपये के नोट भेज सकते हैं। इसके लिए लोगों को ऑनलाइन उपलब्ध एक आवेदन पत्र भरना होगा और नोटों को भारतीय डाक की किसी भी सुविधा से आरबीआई के कार्यालय को भेजना होगा। नोट बदलने वाले फॉर्म आरबीआई की वेबसाइट पर उपलब्ध है। दरअसल 2,000 रुपए के नोट बदलने के लिए आरबीआई के क्षेत्रीय कार्यालयों में अब भी लोगों की कतारें लग रही हैं। आरबीआई के एफएक्यू के मुताबिक एक व्यक्ति डाकघर से मिलने वाली सुविधा के साथ रिजर्व बैंक के 19 कार्यालयों में एक बार में 20,000 रुपए की सीमा तक नोट बदल सकता है या जमा कर सकता है। आरबीआई ने पिछले साल मई में 2,000 रुपए के नोटों को वापस लेने के अपने फैसले की घोषणा की थी। इस नोट को नवंबर, 2016 में नोटबंदी के समय पहली बार जारी किया गया था। आरबीआई ने कहा था कि 2,000 रुपए के नोटों को वापस लेने का निर्णय इसलिए लिया गया क्योंकि इनमें से अधिकांश नोट अपनी अपेक्षित जीवन-अवधि पूरा कर चुके हैं और लोग भी लेनदेन में इनका अधिक इस्तेमाल नहीं कर रहे हैं। मई 2023 तक चलन में मौजूद 2,000 रुपए मूल्य के 97.38 प्रतिशत से अधिक नोट वापस लिए जा चुके हैं। हालांकि अब बैंक शाखाओं में इस नोट को बदलने या जमा करने की अनुमति नहीं है लेकिन आरबीआई ने वैकल्पिक व्यवस्था की है।

पेट्रोल और डीजल छत्तीसगढ़ में सस्ता, राजस्थान-पंजाब में महंगा

नई दिल्ली । वैश्विक बाजार में क्रूड की कीमतें में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। ब्रेंट क्रूड 78.90 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। हालांकि पेट्रोल और डीजल की कीमतों पर इसका कोई बड़ा असर देखने को नहीं मिल रहा है। देश में तेल मार्केटिंग कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल के ताजा भाव जारी कर दिए हैं। भारत में हर सुबह 6 बजे ईंधन के दामों में संशोधन किया जाता है। जून 2017 से पहले कीमतों में संशोधन हर 15 दिन के बाद किया जाता था। आंध्रा प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा में शे निवार को पेट्रोल और डीजल सस्ता हुआ है जबकि राजस्थान, पंजाब और तमिलनाडु में ईंधन की कीमतें मामूली रूप से बढ़ी है। वहीं देश के प्रमुख 4 महानगरों में पेट्रोल-डीजल की कीमतें स्थिर बनी हुई हैं। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर और चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर बिक रहा है।

टीपीएफ पर सामाजिक सुरक्षा समझौते, वीजा, कृषि मुद्दों पर चर्चा होगी

नई दिल्ली ।

भारत-अमेरिका व्यापार नीति मंच (टीपीएफ) की अगले सप्ताह आयो जित होने वाली बैठक में भारत प्रस्तावित सामाजिक सुरक्षा समझौते, वीजा और कृषि व्यापार को प्रोत्साहन जैसे मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने यह जानकारी दी। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कैथरीन तेई 13-14 जनवरी को दिल्ली में बैठक होना है जिसमें वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल शिरकत करेंगे। यह भारत-अमेरिका टीपीएफ की 14वीं मंत्री-स्तरीय बैठक होगी। भारत अमेरिका के साथ समग्र समझौते के संदर्भ में सामाजिक सुरक्षा की मांग कर रहा है। अधिकारी ने कहा कि बीज-रहित अंगूर से संबंधित मुद्दे हैं। अमेरिका के भी कुछ मुद्दे हैं। सामाजिक सुरक्षा समझौता और गतिशीलता पर हमारा मुख्य ध्यान रहने वाला है। इस समझौते में किसी भी देश में रहने वाले प्रवासी को मेजबान देश की सामाजिक सुरक्षा योजनाओं में अंशदान की जरूरत नहीं होती है। यह समझौता होने पर अमेरिका में रहने वाले भारतीयों को लाभ होगा। फिलहाल भारतीय पेशेवर अमेरिकी सामाजिक सुरक्षा के लिए भुगतान कर रहे हैं लेकिन इसका कोई लाभ नहीं उठा पा रहे हैं। इस मंच की पिछली बैठक जनवरी, 2023 में वाशिंगटन में हुई थी। उस बैठक में भारत ने अपने नागरिकों को बिजनेस वीजा जारी करने में देरी का मुद्दा उठाया था। अधिकारी के मुताबिक वाशिंगटन बैठक में दोनों देशों ने यह स्वीकार किया था कि पेशेवरों और कुशल श्रमिकों एवं कारोबारी यात्रियों की आवाजाही द्विपक्षीय आर्थिक और तकनीकी साझेदारी को बढ़ाने में योगदान देती है। टीपीएफ भारत और अमेरिका के बीच व्यापार एवं निवेश से जुड़े मुद्दों के निपटान का एक उच्च-स्तरीय मंच है। अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है। इनका द्विपक्षीय व्यापार 2022-23 में 129.4 अरब डॉलर पर पहुंच गया।

संस्थागत निवेशकों को शेयरों की शॉर्ट सेलिंग के बारे में पहले ही बताना होगा: सेबी

नई दिल्ली ।

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने बाजार में उतार-चढ़ाव पर लगाम लगाने के लिए कहा कि संस्थागत निवेशकों को ऑर्डर देते समय ही बताना होगा कि प्रस्तावित लेनदेन शॉर्ट सेलिंग है या नहीं। सेबी ने बाजार में शॉर्ट सेलिंग से संबंधित मानदंड बदले हैं। पिछले कुछ महीनों में शेयर बाजार में शॉर्ट सेलिंग के बढ़ते चलन और उसके बाद होने वाले उतार-चढ़ाव को लेकर चिंताएं सामने आई हैं। शॉर्ट सेलिंग का आशय उस शेयर को बेचने से है जो सौदे के समय विक्रेता के पास होता ही नहीं है। हालांकि खुदरा और संस्थागत दोनों निवेशकों को शेयरों की शॉर्ट सेलिंग की मंजूरी मिली हुई है। सेबी ने पिछले साल शॉर्ट सेलिंग पर जारी अपने परिपत्र को संशोधित करते हुए कहा कि संस्थागत निवेशकों को ऑर्डर देने के समय पहले ही बताना होगा कि लेनदेन शॉर्ट सेल है या नहीं। हालांकि खुदरा निवेशकों को लेनदेन के दिन कारोबारी अवधि के ओ खिरी तक शॉर्ट सेलिंग के बारे में खुलासा करने की अनुमति होगी। सेबी ने परिपत्र में कहा कि ब्रोकर को शेयर-आधारित शॉर्ट सेलिंग के बारे में ब्योरा जुटाने, आंकड़ा एकत्रित करने और अगले कारोबारी दिन व्यापार शुरू होने से पहले स्टॉक एक्सचेंजों पर उसे अपलोड करना होगा। सेबी ने स्टॉक एक्सचेंजों, क्लियरिंग कॉरपोरेशन और डिपॉजिटरी को जारी परिपत्र में कहा कि एक्सचेंज ऐसी जानकारी को एकत्र करेंगे और साप्ताहिक आधार पर सार्वजनिक जानकारी के लिए अपनी वेबसाइट पर इसे जारी करेंगे।

मोदी सरकार के सत्ता में आने के बाद 60 फीसदी बढ़ी सड़क की लंबाई: सचिव

- चालू वित्त वर्ष के दौरान 13,814 किलोमीटर राजमार्ग निर्माण लक्ष्य हासिल करने का भरोसा

नई दिल्ली ।

मंत्रालय के सचिव अनुराग जैन ने मी डिया से कहा कि नरेन्द्र मोदी सरकार के सत्ता में आने के बाद से भारत में राष्ट्रीय राजमार्गों की कुल लंबाई दिसंबर, 2023 तक 60 प्रतिशत बढ़कर 1,46,145 किलोमीटर हो गई है। इसके पहले 2014 में इसकी लंबाई 91,287 किलोमीटर थी। उन्होंने कहा कि राजमार्ग निर्माण की गति 2023-24 में अब तक पिछले साल से बेहतर है और हमें चालू वित्त वर्ष के दौरान 13,814 किलोमीटर राजमार्ग निर्माण लक्ष्य हासिल करने का भरोसा है।

जैन ने कहा कि चालू वित्त वर्ष में दिसंबर, 2023 के ओ खिर तक मंत्रालय ने 6,217 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्ग का निर्माण किया, जो पिछले साल समान अवधि के 5,774 किलोमीटर से अधिक है। उनके अनुसार सरकार 2023-24 में 10,000 किलोमीटर की राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएं आवंटित करने की योजना बना रही है।

जैन ने यह भी कहा कि सरकार ने कंपनियों से विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने को कहा है। सचिव ने कहा कि चार और उससे अधिक लेन के राष्ट्रीय राजमार्गों (एनएच) की लंबाई 2.5 गुना होकर दिसंबर, 2023 में 46,179 किलोमीटर हो गई, जो 2014 में 18,387 किलोमीटर थी।

उन्होंने कहा कि उच्च गति के गलियारों की कुल लंबाई 2014 में 353 किलोमीटर थी, जो 2023 में बढ़कर 3,913 किलोमीटर हो गई।

दो-लेन से कम वाले राष्ट्रीय राजमार्गों की कुल लंबाई राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क के अनुपात में 2014 के 30 प्रतिशत से घटकर 2023 में 10 प्रतिशत रह गई। जैन ने कहा कि सड़क मंत्रालय ने 2023-24 में दिसंबर तक 6,217 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्ग का निर्माण किया है। मंत्रालय का राजमार्ग निर्माण पर खर्च 2014 की तुलना में 2023 में 9.4 गुना बढ़कर 3.17 लाख करोड़ रुपए होने की संभावना है। वाहन कबाड़ नीति के तहत, भारत में 44 पंजीकृत वाहन कबाड़ इकाइयां (आरवीएसएफ) चालू हैं, जबकि 19 राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों ने रियायत और मोटर वाहन कर की घोषणा की है।

कनाडा की ब्रुकफील्ड एटीसी के भारतीय कारोबार का करेगी अधिग्रहण

– ब्रुकफील्ड दूरसंचार टॉवर प्रबंधन करने वाली देश की सबसे बड़ी कंपनी हो जाएगी

मुंबई ।

कनाडा की ब्रुकफील्ड एसेट मैनेजमेंट ने अमेरिकन टावर कॉर्पोरेशन (एटीसी) के भारतीय कारोबार को 16,628 करोड़ में खरीदने की योजना बनाई है। कंपनी ने कहा कि भारत के दूरसंचार क्षेत्र में चार साल के भीतर यह उसका तीसरा सौदा है और अब ब्रुकफील्ड दूरसंचार टॉवर प्रबंधन करने वाली देश की सबसे बड़ी कंपनी हो जाएगी। इस सौदे के तहत ब्रुकफील्ड एसेट मैनेजमेंट के सहयोगी द्वारा प्रायोजित डेटा इन्फ्रास्ट्रक्चर ट्रस्ट (डीआईटी), एटीसी इंडिया की 100 प्रतिशत इक्विटी का अधिग्रहण करेगा। डीआईटी इस समय समिट डिजिटेल और क्रेस्ट डिजिटेल के माध्यम से भारत में ब्रुकफील्ड का दूरसंचार टॉवर का कारोबार संभालती है। ब्रुकफील्ड ने कहा कि यह अधिग्रहण पूरा होने के बाद डीआईटी के राजस्व में और वृद्धि होने के साथ-साथ भारत में मोबाइल नेटवर्क ऑपरेटर के साथ संबंधों में भी विस्तार होने की संभावना है। वर्ष 2007 में शुरू होने के बाद एटीसी इंडिया ने अपना पोर्टफोलियो मजबूत करते हुए पूरे देश में लगभग 78 हजार टावर साइट तैयार कीं। ब्रुकफील्ड के पास भी लगभग 175,000 टावरों से सजा पोर्टफोलियो हैं। उसने 2020 में रिलायंस इंडस्ट्रियल इन्वेस्टमेंट ऐंड होल्डिंग लिमिटेड से इस कारोबार का अधिग्रहण किया था। रिलायंस जियो ब्रुकफील्ड की प्रमुख ग्राहक है। एटीसी का कारोबार अपनी झोली में डालने के बाद ब्रुकफील्ड का संयुक्त उद्यम 253,000 टावर का होने की उम्मीद है। इस तरह ब्रुकफील्ड का कारोबार मौजूदा समय में इस क्षेत्र की शीर्ष कंपनी इंडस टावर से बड़ा हो जाएगा। सितंबर तिमाही के अनुसार इंडस देशभर में 204,000 टावर साइट का प्रबंधन करती है।

इस उद्योग से जुड़े विशेषज्ञों का कहना है कि एटीसी भारत में अपना कारोबार बेचने के लिए 2023 की शुरुआत से ही बातचीत कर रही थी, लेकिन संभावित ग्राहक भविष्य में कंपनी के राजस्व को लेकर चिंतित नजर आ रहे थे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ऑस्ट्रेलिया में पाकिस्तान को मिली लगातार 17वीं हार, 0-3 से गंवाई सीरीज

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान को ऑस्ट्रेलिया में हार का मुंह देखना पड़ा है। नए कप्तान शान मसूद की अगुआई में पाकिस्तान की टीम ऑस्ट्रेलिया में इतिहास रचने की उम्मीद लेकर जरुर गई थी, लेकिन मेजबानों ने उसे 0-3 से हरा ?दिया। टीम 3 मैचों की टेस्ट सीरीज 0-3 से हर चुकी है। जानकारी के अनुसार सिडनी में खेले गए सीरीज के तीसरे और आखिरी टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान को 8 विकेट से हराकर पाकिस्तान का सीरीज में सूपड़ा साफ किया। नए साल में पाकिस्तान की ये हाल करने में उसके बल्लेबाजों का अहम रोल रहा जो ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाजों के सामने आसानी से सरेंडर करते नजर आए। पाकिस्तान की ऑस्ट्रेलिया में यह लगातार 17वीं हार है। इससे पहले पाकिस्तान की टीम ने आखिरी बार ऑस्ट्रेलिया में 1995 में टेस्ट मैच जीती जीता था। सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में पाकिस्तान की ओर से रखे गए 130 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम ने अपना आखिरी टेस्ट मैच खेल रहे डेविड वॉर्नर के शानदार 57 और मार्नस लैबुशेन के नाबाद 62 रन के दम पर मैच जीत लिया। वहीं लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने पहले ओवर की आखिरी गेंद पर ओपनर उस्मान ख्वाजा का विकेट गंवा दिया।

इधर मैच के दौरान साजिद खान ने उस्मान को खाता भी नहीं खोलने दिया। इसके बाद डेविड वॉर्नर और लैबुशेन ने ऑस्ट्रेलिया को संभाला और दोनों ने मिलकर दूसरे विकेट के लिए 119 रन की साझेदारी की टीम को जीत दिलाई। वॉर्नर ने 75 गेंदों पर 7 चौके लगाए। लैबुशेन ने 73 गेंदों पर 9 चौके जड़े जबकि स्टीव स्मिथ 4 रन बनाकर नाबाद लौटे। इससे पहले पाकिस्तान ने चौथे दिन के खेल की शुरुआत 7 विकेट पर 68 रन से की। कल के नाबाद लौटे बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान और आमेर जमाल ने पारी की शुरुआत की। रिजवान अपने कल के निजी स्कोर में 22 रन और जोड़कर 28 रन के निजी स्कोर पर आउट हुए। उन्हें स्पिनर नाथन लियोन ने वॉर्नर के हाथों कैच कराया। आमेर जमाल 18 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें कमिंस ने अपना शिकार बनाया।

सबालेंका ने अजारेंका को हराया, ब्रिसबेन फाइनल में अब रिबाकिना से होगी भिड़ंत

ब्रिसबेन (एजेंसी)। शीर्ष वरीयता प्राप्त आर्यना सबालेंका ने शनिवार को यहां 2 बार की चैम्पियन विक्टोरिया अजारेंका पर 6-2, 6-4 की जीत से ब्रिसबेन अंतरराष्ट्रीय टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया जिसमें उनकी भिड़ंत एलीना रिबाकिना से होगा। पिछले साल आस्ट्रेलियाई ओपन के फाइनल में भी सबालेंका और रिबाकिना का सामना हुआ था। इसमें सबालेंका ने रिबाकिना पर 4-6, 6-3, 6-4 से जीत हासिल कर ग्रैंडस्लैम खिताब जीता था।

सबालेंका ने 2022 विम्बलडन चैम्पियन रिबाकिना के साथ सात मुकाबलों में 5 में जीत हासिल की है। आस्ट्रेलियाई सरजमीं पर सबालेंका की जीत की लय 15 मैच की हो गयी है जिसमें एडिलेड में 2023 के शुरू में खिताब के बाद मेलबर्न पार्क में ग्रैंडस्लैम ट्राफी जीतना भी शामिल रहा। सबालेंका ने अजारेंका के खिलाफ 10 ऐस और 35 विनर लगाए। अजारेंका ने 2012 और 2013 में लगातार आस्ट्रेलियाई ओपन खिताब जीते थे। रिबाकिना ने 19 वर्षीय लिंडा नोसकोवा पर 6-3, 6-2 की जीत से फाइनल में प्रवेश किया। पुरुष वर्ग के फाइनल में भी शीर्ष दो वरीय खिलाड़ी पहुंच सकते हैं। शीर्ष वरीय होल्गर रूने ने रोमन सैफियूलीन पर 6-4, 7-6 से जीत हासिल की। 8वीं रैंकिंग पर काबिज रूने एटीपी में 5वां खिताब हासिल करने की उम्मीद लगाए होंगे जिसमें उनका सामना रविवार को दूसरे वरीय ग्रिगोर दिमित्रोव और जोर्डन थाम्पसन के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से होगा।

भारत के खिलाफ अफगानिस्तान की टीम का ऐलान

-अनुभवी स्पिनर राशिद खान की वापसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और अफगानिस्तान के बीच अगले हफ्ते से खेली जाने वाली टी20 सीरीज काफी चर्चा में है। भारतीय टीम में दिग्गज रोहित शर्मा और विराट कोहली के वापसी की खबर आ रही है। खबरों के बीच अफगानिस्तान ने भारत के खिलाफ 3 मैचों की इस सीरीज के लिए टीम की घोषणा की है। यूएई के खिलाफ टीम से बाहर रखे गए घातक स्पिनर की वापसी हुई है। टीम की कमान फिर से इब्राहिम जादरान के हाथों में होगी।

भारत के खिलाफ खेली जाने वाली टी20 सीरीज के लिए 6 जनवरी को अफगानिस्तान ने अपने टीम की घोषणा की। अनुभवी स्पिनर राशिद खान की टीम में वापसी हुई है। भारत दौरे पर राशिद के अलावा मोहम्मद नबी, मुजीब उर रहमान और नूर अहमद की स्पिनर तिकड़ी को भी चुना गया है। भारत के खिलाफ टी20 सीरीज में अफगानिस्तान कड़ी चुनौती पेश कर सकती है।

भारतीय टीम अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला 11 जनवरी को मोहाली में खेलने उतरेगी। दूसरा मुकाबला इंदौर में खेला जाना है जबकि इस सीरीज का आखिरी टी20 मैच 17 जनवरी को बेंगलुरू में होगा। भारत और अफगानिस्तान के बीच अब तक सिर्फ 5 टी20 इंटरनेशनल मैच खेले गए हैं। इनमें से टीम इंडिया ने 4 मैच अपने नाम किया है जबकि एक मुकाबला खेला नहीं जा सका था।

पहला टी20: 11 जनवरी, मोहाली

दूसरा टी20: 14 जनवरी, इंदौर

तीसरा टी20: 17 जनवरी, बेंगलुरु

इब्राहिम जादरान (कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज (विकेटकीपर), एकराम अली (विकेटकीपर), हजरतुल्लाह जाजई, रहमत शाह, नजीबुल्लाह जादरान, मोहम्मद नबी, करीम जनत, अजमतुल्लाह उमरजई, शराफुद्दीन अशरफ, मुजीब उर रहमान, फजल हक फारुखी, फरीद अहमद, नवीन उल हक, नूर अहमद, मोहम्मद सलीम, कैस अहमद, गुलबदीन नैब, राशिद खान शामिल हैं।

अब इंग्लैंड से घरेलू टेस्ट सीरीज खेलेगी भारतीय टीम

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम का इस साल काफी व्यस्त कार्यक्रम है। दक्षिण अफ्रीका दौरे के बाद भारतीय टीम को अब इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की घरेलू सीरीज खेलनी है। इंग्लैंड की टीम 5 मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए इसी माह भारत पहुंचेगी। ये सीरीज जनवरी के अंत में शुरू होगी और मार्च तक चलेगी। 25 जनवरी से 11 मार्च के बीच यह सीरीज खेली जाएगी। भारत और इंग्लैंड के बीच पहला टेस्ट मैच 25 से 29 जनवरी के बीच हैदराबाद में खेला जाना है। वहीं दूसरे मुकाबले में दोनों टीमें 2 से 6 फरवरी के बीच विशाखापत्तनम में खेलेंगी। 15 फरवरी से 19 फरवरी के बीच राजकोट में तीसरा मुकाबला खेला जाना है। 23 फरवरी से 27 फरवरी के बीच रांची में चौथा टेस्ट मैच खेला जाएगा।

सीरीज का आखिरी मुकाबले 7 से 11 मार्च के बीच धर्मशाला में खेला जाना है। भारतीय टीम का लक्ष्य आगामी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप को लेकर इसमें बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। इस साल कप्तान रोहित शर्मा की नजर टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल पर होगी। पिछले दो मौकों पर टीम इंडिया ने फाइनल का टिकट पक्का किया लेकिन ट्रॉफी नहीं जीत पाई। इस बार वह इस रिकॉर्ड को बदलना चाहेगी। भारतीय टीम को दक्षिण अफ्रीका दौरे के अनुभवों का भी लाभ मिलेगा।

भारतीय टीम दक्षिण अफ्रीका का मुश्किल दौरा टेस्ट सीरीज को बराबरी पर लाने में सफल रही। केवल डेढ दिन में ही मेजबान को हराकर भारत ने सीरीज में बराबरी हासिल की। दो मैचों की सीरीज को एकतरफा जीत से खत्म करना भारत के लिए बड़ी उपलब्धि रही जिससे उसका मनोबल बढ़ा है। इससे भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा केपटाउन में टेस्ट जीतने वाले पहले भारतीय कप्तान भी इस दौरे में बने हैं। कोई भी भारतीय कप्तान दक्षिण् अफ्रीका के खिलाफ उनके घर पर टेस्ट सीरीज नहीं जीत पाया है और यह रिकॉर्ड इस बार भी नहीं टूट पाया।

युकी भांबरी-रोबिन हासे की जोड़ी ब्रिसबेन अंतरराष्ट्रीय के सेमीफाइनल में हारी

खेल डैस्क । भारत के युकी भांबरी और नीदरलैंड के उनके जोड़ीदार रोबिन हासे शनिवार को ब्रिसबेन अंतरराष्ट्रीय टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में इंग्लैंड के लॉयड ग्लासपूल और नीदरलैंड के जीन-जूलियन रोजर की जोड़ी के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। आठवीं वरीयता प्राप्त भारत और नीदरलैंड के खिलाड़ियों की जोड़ी एक घंटे 40 मिनट तक चले मैच में दूसरे वरीय प्रतिद्वंद्वी से 3-6, 7-6, 9-11 से हार गई। भांबरी और हासे की जोड़ी ने इससे पहले शुक्रवार को नाथानियल लैमन्स और जैक्सन विथ्रो की अमेरिकी जोड़ी को सीधे सेटों में हराया था। पिछले साल 31 साल के भांबरी ने मार्लोका चैम्पियनशिप युगल प्रतियोगिता में पहला एटीपी खिताब जीता था। दिल्ली के खिलाड़ी ने इस टूर्नामेंट में दक्षिण अफ्रीका के लॉयड हैरिस के साथ जोड़ी बनाई थी।

चयनकर्ताओं के लिए सिरदर्द बन सकते हैं रिंकू सिंह

- टेस्ट सीरीज में दिया जा सकता है उन्हें मौका

नई दिल्ली (एजेंसी)। टेस्ट मैच खत्म होने के अगले दिन ही रणजी ट्रॉफी की शुरुआत हुई और रिंकू सिंह ने पहले ही दिन अपनी टीम के लिए शानदार पारी खेली। ऐसे में रिंकू सिंह चयनकर्ताओं के लिए सिरदर्द बन सकते हैं। अब टेस्ट सीरीज में उन्हें मौका दिया जा सकता है। हाल में भारत ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ दूसरे वनडे में शानदार जीत दर्ज की। लेकिन टीम इंडिया की बल्लेबाजी में उतना दम देखने को नहीं मिला था। दरअसल, रिंकू सिंह अब टेस्ट मैच में श्रेयस अय्यर की जगह ले सकते हैं। पिछले 5 टेस्ट में अय्यर का प्रदर्शन देखें तो कुछ खास नहीं रहा है। पिछले 5 टेस्ट मैच में अय्यर का उच्चतम स्कोर 31 का रहा है। जो उन्होंने साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहले मैच में ही बनाया था। इससे पहले उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 3 टेस्ट मैच खेले थे। वहां भी उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। उच्चतम स्कोर सिर्फ 26 का था। साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट में भी अय्यर फ्लॉप रहे। पहले टेस्ट की पहली और दूसरी इनिंग में अय्यर ने क्रमशः 31 और 6 रन बनाए। इसके बाद दूसरे टेस्ट की पहली इनिंग में 0 और दूसरी इनिंग में 4। लगातार फ्लॉप हो रहे अय्यर को अब टेस्ट टीम से बाहर होना पड़ सकता है। हो सकता है कि आने वाले समय में अय्यर की जगह रिंकू सिंह ले लें। रिंकू सिंह ने रणजी ट्रॉफी के पहले दिन केरल के खिलाफ शानदार पारी खेली। रिंकू ने 103 गेंद का सामना करते हुए 7 चौके और 2 छक्के की मदद से 71 रन की नाबाद पारी खेली। इस तरह उनकी टीम का स्कोर कुल 244 रन तक पहुंचा। रिंकू हालांकि, टेस्ट में छठे नंबर पर बल्लेबाजी करते हैं और अय्यर 5 पर। लेकिन टी20 की तरह ही रिंकू को 5 नंबर पर खिलाया जा सकता है।

सुनील गावस्कर ने बताए अपने पसंदीदा 5 पाकिस्तानी क्रिकेटरों के नाम

नई दिल्ली । भारत के महान क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने अपने 5 पसंदीदा पाकिस्तानी क्रिकेटरों के नाम बताए हैं। इस समय सुनील गावस्कर अफ्रीकी देश में मेजबान दक्षिण अफ्रीका और भारत के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज को कवर कर रहे हैं। इस दौरान उनसे एक प्रशंसक ने पाकिस्तान के अपने पसंदीदा क्रिकेटरों का नाम पूछा तो सुनील गावस्कर ने जहीर अब्बास का नाम लेकर शुरुआत की। उनके बाद इमरान खान, जावेद मियांदाद, वसीम अकरम और बाबर आजम का नाम लिया। वहीं पाकिस्तान के बाबर आजम अपने असाधारण बल्लेबाजी कौशल के कारण चर्चा में रहे हैं। अक्सर खेल के महान खिलाड़ियों से तुलना किए जाने वाले आजम क्रीज पर निरंतरता और सुंदरता के प्रतीक बन गए हैं। सभी प्रारूपों को बेहतरीन ढंग से खेलने की उनकी क्षमता ने उन्हें दुनिया भर में प्रशंसा दिलाई है। गौरतलब है कि सुनील गावस्कर भारत के लिए प्रशंसनीय क्रिकेटर रहे हैं। उन्होंने 125 टेस्ट मैच खेले जिसमें 51.12 की औसत से 10,122 रन बनाए। उन्होंने 34 शतक बनाए, जिसमें नाबाद 236 रन उनका सर्वोच्च स्कोर रहा। दाएं हाथ का बल्लेबाज उस भारतीय टीम का हिस्सा था जिसने 1983 में इंग्लैंड में आईसीसी क्रिकेट विश्व कप जीता था।

पेरिस ओलंपिक क्वालीफायर : चेक गणराज्य की महिला हॉकी टीम रांची पहुंची

रांची (एजेंसी)। पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए क्वालीफाई करने के इरादे से चेक गणराज्य की महिला हॉकी टीम शनिवार को जोश और दृढ़ संकल्प के साथ यहां पहुंची। विश्व रैंकिंग में 25वें स्थान पर काबिज चेक रिपब्लिक का नेतृत्व एफआईएच हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर रांची 2024 में कतेरीना लासीना करेंगी। टीम के मुख्य कोच गैरेथ ग्रुंडी हैं। चेक गणराज्य पूल ए में है, जहां 13 जनवरी को उसका शुरुआती मुकाबला पूर्व एशियाई खेलों के चैंपियन जापान के खिलाफ होगा।

चेक टीम 14 जनवरी को टूर्नामेंट के अपने दूसरे मैच में चिली से भिड़ेगी। उनका अंतिम पूल मैच 16 जनवरी को ओलंपिक रजत पदक विजेता जर्मनी से होगा। मैदान में अन्य टीमों में पूल बी में मेजबान भारत, न्यूजीलैंड, इटली और संयुक्त राज्य अमेरिका शामिल हैं। टूर्नामेंट की शीर्ष 3 टीमें पेरिस ओलंपिक गेम्स 2024 के लिए क्वालीफाई करेंगी।

टूर्नामेंट की तैयारियों और रणनीतियों के बारे में बात करते हुए, कप्तान कतेरीना लासीना ने कहा कि हमारा प्रशिक्षण कार्यक्रम हमारी शारीरिक क्षमता को बढ़ाने पर केंद्रित था, जो हमारे खेल का एक महत्वपूर्ण पहलू है। इसके अलावा हम फ्रांस, यूक्रेन और नीदरलैंड की अंडर21 टीम के खिलाफ तैयारी में लगे हुए हैं। टीम में कई युवा प्रतिभाएं हैं। हम यहां लड़ने और प्रतिस्पर्धा करने के लिए हैं और हमें विश्वास है कि हम ऐसा कर सकते हैं।

उच्च रैंकिंग वाले जर्मनी के खिलाफ टीम के महत्वपूर्ण मुकाबले पर आगे बोलते हुए, लासीना ने कहा कि हम जर्मनी के खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए तैयार हैं। हॉकी के खेल में, कुछ भी सामने आ सकता है और हम हर मौके का फायदा उठाने के लिए तैयार हैं।

शतरंज में पहली बार होगा बच्चो का विश्व कप, फीडे नें की घोषणा

बातुमी , जॉर्जिया। विश्व शतरंज संघ नें एक नवीन कदम में, युवा शतरंज खिलाड़ियों के लिए पहला फीडे विश्व कप 22 जून से 3 जुलाई, 2024 तक जॉर्जिया में आयोजित करने का निर्णय लिया है । इस बारे में बयान जारी करते हुए शतरंज की वैश्विक संस्था फीडे नें कहा की 'इस नए आयोजन का उद्देश्य एक संशोधित प्रणाली के साथ युवा शतरंज परिदृश्य को फिर से परिभाषित करना और युवा शतरंज खिलाड़ियों के लिए अधिक अवसर प्रदान करना है' । यह टूर्नामेंट तीन आयु समूहों अंडर 8 , अंडर 10 और अंडर 12 में आयोजित किया जाएगा ,जिसमें बालक और बालिका श्रेणियों प्रत्येक में 48 प्रतिभागी होंगे । प्रतियोगिता दो चरणों में होगी, जिसकी शुरुआत सात-राउंड स्विस सिस्टम से होगी और इसके बाद मुख्य विश्व कप की तर्ज पर नॉक आउट मुक़ाबले खेले जाएँगे । फीडे नें 1 फरवरी, 2024 तक सभी देशो से खिलाड़ियों के नाम घोषित करने को कहा है । भारत के लिए यह खबर बेहद अच्छी है क्यूंकी दुनिया भर में भारत के युवा खिलाड़ियों का प्रदर्शन बेहद शानदार रहा है ।

टी20 सीरीज से बाहर हो सकते हैं सिराज और जसप्रीत

-आगामी 11 जनवरी से अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाली है सीरीज

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत-साउथ अफ्रीका के टेस्ट सीरीज के 2 हीरो ही अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज से बाहर हो सकते हैं। भारत ने साउथ अफ्रीका को 2 दिन के अंदर ही हरा दिया। अब भारतीय टीम को 11 जनवरी से अफगानिस्तान के खिलाफ टी 20 सीरीज खेलनी है।

दावा किया जा रहा है कि मोहम्मद सिराज और जसप्रीत बुमराह अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज से बाहर रहेंगे। एक रिपोर्ट के अनुसार रोहित शर्मा और विराट कोहली अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज खेलने के लिए सेलेक्शन सूची में रखे गए हैं। इसके अलावा यह भी बताया गया है कि जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए रेस्ट दिया जा सकता है। इन दोनों गेंदबाजों ने केपटाउन में साउथ अफ्रीका के खिलाफ दूसरे मैच में शानदार जीत दिलाई थी। दोनों की धारदार गेंदबाजी के दम पर भारत ने मुकाबला आसानी से जीत लिया था।पहली इनिंग में मोहम्मद सिराज ने अफ्रीका के 6 खिलाड़ियों को आउट किया था। वहीं, दूसरी इनिंग में बुमराह ने 6 विकेट झटके।

अगर इन दोनों प्लेयर्स को अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए रेस्ट दिया जाता है तो दो नए गेंदबाजों की टीम में एंट्री हो सकती है। भारतीय टीम नए साल में सबसे पहले अफगानिस्तान की टीम की मेजबानी करने जा रहा है। 11 जनवरी से 17 जनवरी के बीच तीन मैचों की सीरीज में भारत को खेलना है। पहला मुकाबला मोहाली में खेला जाना है जबकि दूसरा मैच इंदौर में 14 जनवरी को खेला जाएगा। सीरीज का आखिरी मुकाबला 17 तारीख को बैंगलोर में आयोजित किया जाना है।

ब्राजील के विश्व कप विजेता खिलाड़ी और कोच मारियो जागालो का निधन

रियो डी जनेरियो । ब्राजील की तरफ से एक खिलाड़ी के रूप में दो तथा कोच और सहायक कोच के रूप में एक-एक विश्व कप खिताब जीतने वाले फुटबॉलर मारियो जागालो का निधन हो गया है । वह 92 वर्ष के थे । जागालो पहले ऐसे व्यक्ति थे जिन्होंने एक खिलाड़ी और कोच के रूप में विश्व कप जीता था । वह ब्राजील के कई समर्थकों के लिए देशभक्ति और गौरव का प्रतीक थे । ब्राजील फुटबॉल परिसंघ के अध्यक्ष एडनाल्डो रोड्रिग्स ने शनिवार तड़के बयान जारी करके जागालो के निधन की पुष्टि की । उन्होंने जागालो को फुटबॉल के सर्वकालिक महान खिलाड़ियों में से एक करार दिया । ब्राजील ने 1958 और 1962 में जब विश्व कप खिताब जीते थे तब जागालो उसके स्ट्राइकर थे । इसके बाद 1970 में जब ब्राज़ील ने फाइनल में इटली को 4-1 से हराकर अपना तीसरा विश्व कप खिताब जीता था तब जागालो उसके कोच थे । जागालो 1994 के विश्व कप में ब्राजील की टीम के सहायक कोच थे । ब्राजील ने तब फाइनल में इटली को हराकर खिताब जीता था ।

फिटनेस और क्षेत्ररक्षण की कमियों को दूर करने की कोशिश कर रहे हैं : हरमनप्रीत

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा है कि उनकी टीम को अभी क्षेत्ररक्षण और फिटनेस की अपनी कमजोरियों को दूर करना होगा। हरमनप्रीत ने हालांकि माना कि ये आसान नहीं है। कप्तान के अनुसार फिटनेस विभाग में एकदम से सुधार नहीं हो सकता। इसके लिए टीम पूर्णकालिक सहयोगी स्टाफ की सहायता देगी। भारतीय टीम काफी समय से क्षेत्ररक्षण और फिटनेस की समस्या से परेशान है।

हरमनप्रीत ने कहा कि अगर हम टीम के प्रदर्शन के बारे में बात करें तो हमने टुकड़ों में बहुत अच्छा क्रिकेट खेला है। वहीं क्षेत्ररक्षण और फिटनेस ऐसी चीजें हैं जिनके बारे में हम लंबे समय से बात कर रहे हैं। हम इस पर काम भी कर रहे हैं। अक्टूबर के अंत में टीम के मुख्य कोच नियुक्त किए गए अमोल मजूमदार ने इंग्लैंड के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला से पूर्व कहा था कि मुनीष बाली क्षेत्ररक्षण और ट्रॉय कूली गेंदबाजी विभाग में सहयोगी स्टाफ में शामिल होंगे। हरमनप्रीत ने कहा कि अब सबसे अच्छी बात यह है कि अब हमारे पास नियमित सहायक स्टाफ है जिससे अब फिटनेस और क्षेत्ररक्षण सुधारने में सहायता मिलेगी। बीच में हमारे पास कई कोच थे जिनके क्षेत्ररक्षण और फिटनेस पर अपने विचार थे। उन्होंने कहा कि अभी हमारे पास मुनीष हैं, उन्हें समय देना होगा। वह बहुत अनुभवी कोच हैं और उन्होंने कई खिलाड़ियों के साथ काम किया है। वह अपनी तरफ से पूरी कोशिश कर रहे हैं लेकिन एक महीने में परिणाम मिलना मुश्किल है। हरमनप्रीत ने कहा कि भारत को अपने प्रदर्शन में सुधार के लिए मैदान पर गलतियों को कम करने पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह अच्छी बात है कि हमें अच्छी टीम ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के खिलाफ खेलने और उनके खिलाफ खुद को आंकने का मौका मिल रहा है। अगर हम दिन-ब-दिन गलतियां कम करने में सफल रहे, तो टीम का प्रदर्शन बेहतर होगा।

आईसीसी ने नियमों में किया बदलाव

दुबई । क्रिकेट में अब टीवी अंपायर, स्टंपिंग की अपील पर कॉट बिहाइंड का रीव्यू नहीं कर सकेंगे । इसका कारण है कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अपने नियमों में बदलाव किया है, इसके तहत अब टीवी अंपायर, स्टंपिंग की अपील पर कॉट बिहाइंड का रीव्यू नहीं करेंगे । एक रिपोर्ट के अनुसार पिछले वर्ष 12 दिसंबर से प्रभावी हुये इन नियमों के तहत अब विकेटकीपर के बेल्स गिराने के बाद अगर टीम कॉट बिहाइंड के लिए रीव्यू लेना चाहती है तब उसे अलग से डीआरएस की अपील करनी होगी । गौरतलब है कि साल 2023 की शुरुआत में भारत के खिलाफ श्रृंखला में कई बार ऐसा हुआ था कि ऑस्ट्रेलियाई विकेटकीपर एलेक्स केरी स्टंप की अपील करते और टीवी अंपायर कॉट बिहाइंड को भी रीव्यू करते थे जो अब नहीं हो पायेगा । इसके कारण गेंदबाजी कर रही टीम को रीव्यू लेने की जरुरत नहीं पड़ती थी और अंपायर यह भी देखा करते थे कि गेंद बल्ले से लगकर गई है या नहीं । हालांकि अब स्टंप की अपील पर टीवी अंपायर केवल साइड ऑन कैमरा का उपयोग करते हुए यह देखेंगे कि बल्लेबाज स्टंप आउट है या नहीं । इसके साथ ही आईसीसी ने कनकशन सब्स्टीट्यूशन के नियम में भी संशोधन किया है ।

तुम्हारी स्कूल की छुट्टियां तो खत्म हो गई होंगी और स्कूल से मिला हॉलीडे होमवर्क भी तुमने खत्म कर लिया होगा। लेकिन तुममें से कितने बच्चों ने हैंडराइटिंग के 100 पेज पूरे किए। नहीं किए ना! बेचारी टीचर कह-कहकर थक जाती हैं कि रोज 10 पेज लिखकर हैंडराइटिंग का अभ्यास करो, लेकिन तुम लोग हमेशा इससे बचते हो। चलो आज हम जानते हैं हैंडराइटिंग की कहानी और क्या है इसका महत्व।

आईना है तुम्हारी लिखावट

क्या है हैंडराइटिंग

सबसे पहले तुम्हें समझना चाहिए कि हैंडराइटिंग क्या है? पेन या पेंसिल पकड़कर अक्षर बनाना ही केवल हैंडराइटिंग की परिभाषा नहीं है, बल्कि अलग-अलग इंसान के लिखने की अद्भुत कला को हैंडराइटिंग कहा जाता है और ये कैलिग्राफी और टाइपफेस से अलग होती है। तुम्हें पता है, हर इंसान की अपनी एक हैंडराइटिंग होती है और पूरी दुनिया में किसी भी इंसान की हैंडराइटिंग एक जैसी नहीं है। तुम्हें जानकर आश्चर्य होगा कि जुड़वां बच्चों की हैंडराइटिंग भी एकदम अलग होती है।

लेखन की शुरुआत

हैंडराइटिंग के इतिहास को लेकर लोगों के अपने-अपने मत हैं। कहा जाता है कि इसकी शुरुआत 3,300 ईसा पूर्व मेसोपोटामिया में हुई थी। उस समय किसी आदमी ने मिट्टी के बोर्ड पर राशन का रिकॉर्ड रखने के लिए पहली बार लिखा था। ब्रिटेन के एक म्यूजियम में इस बोर्ड को आज तक संभालकर रखा गया है। वहीं कुछ शोधकर्ताओं का ये भी मानना है कि 60,000 से 25,000 ईसा पूर्व आदमी हड्डियों और पत्थरों पर आड़ी-तिरछी लाइनें खींचा करता था, ठीक उसी तरह जिस तरह तुम लोग क्लास में बोर होते समय अपनी कॉपी में खींचते रहते हो। इसकी भी एक मजेदार कहानी है। पुराने समय में जब लोग जहाज लेकर जाते थे तो उस टापू की पहचान के लिए उसके पत्थरों पर बड़ी-बड़ी लकीरें खींच देते थे जिससे कोई और जहाज और उसके कर्मचारी वहां अपना ठिकाना न बनाएं।

कहती है बहुत कुछ..

तुम्हारी हैंडराइटिंग तुम्हारे बारे में बहुत कुछ बताती है। इसे ग्राफोलॉजी यानी हैंडराइटिंग एनालिसिस भी कहते हैं। तुम जिस तरह अक्षर बनाते हो, तराशते हो, इससे तुम्हारी 5000 तरह की पर्सनैलिटी का पता चलता है। साइकोलॉजी विषय में तुम्हारी हैंडराइटिंग की मदद से ही पता लगाया जाता है कि दिमाग सही काम कर रहा है या नहीं।

राइटिंग से जुड़ी मजेदार बातें

- नेपोलियन बोनापार्ट के बारे में तो तुम लोग जानते ही होगे। पता है, उनकी हैंडराइटिंग इतनी भयानक और भद्दी थी कि वह जब भी अपने कमांडर को कोई नोट लिखकर भेजते थे तो वह किसी युद्ध का मैप लगता था।
- कुछ लोगों का मानना है कि राइटिंग दुनिया में पिछले 5,000 सालों से है, वहीं कुछ शोधकर्ता मानते हैं कि यह 50,000 से 100,000 साल पुरानी है।
- यूरोप में 15वीं शताब्दी में केवल अमीर वर्ग के लोग ही अच्छी राइटिंग में लिखना जानते थे।
- अमेरिका के पहले राष्ट्रपति जॉर्ज वॉशिंगटन की हैंडराइटिंग इतनी सुंदर थी कि जब वह केवल 12 साल के थे, तब उनके नोट्स की एक कॉपी वॉशिंगटन की लाइब्रेरी ऑफ कांग्रेस में लगाई गई थी।
- अमेरिका में 1000 से भी ज्यादा ऐसे स्कूल हैं, जहां हैंडराइटिंग एक आवश्यक स्किल है। यानी तुम लोग जिस तरह बहाना बना देते हो, वे बच्चों हैंडराइटिंग के लिए बहाना भी नहीं बना पाते हैं।
- वैज्ञानिकों का मानना है कि साफ-सुथरे तरीके से लिखने से याददाश्त तेज होती है।

बनेगा बेहतर भविष्य

पता है अगर तुम साफ-सुथरी हैंडराइटिंग में लिखते रहोगे तो तुम्हारा भविष्य बेहतर बन सकता है। अच्छे लेखन और राइटिंग का प्रभाव दूसरे व्यक्ति पर जरूर पड़ता है।

हो सकता है कि तुम अपनी सुंदर हैंडराइटिंग के कारण कैलिग्राफी आर्टिस्ट, राइटिंग आर्टिस्ट, शिक्षक और लेखक आदि बन जाओ। स्कूल में भी अपने टीचर की नजर में तुम नंबर वन छात्र बन सकते हो। स्कूल में भी सुलेख प्रतियोगिताएं होती ही रहती हैं। अपनी हिंदी और अंग्रेजी दोनों ही भाषाओं की राइटिंग सुधारो और इन प्रतियोगिताओं के चैंपियन बनकर दिखाओ। देखना, हर तरफ तुम्हारी वाहवाही होगी।

राइटिंग स्किल भी जरूरी

राइटिंग में कुछ रचनात्मकता भी झलकनी चाहिए और इसी रचनात्मकता को कहते हैं राइटिंग स्किल। तुम्हारी हैंडराइटिंग और तुम्हारे ज्ञान का मिश्रण ऐसा होना चाहिए कि तुम्हें कोई भी विषय दे दिया जाए और तुम फट से उस पर लिख डालो। तुम्हारे शिक्षक भी उन बच्चों से बेहद खुश रहते होंगे, जिनकी हैंडराइटिंग और राइटिंग स्किल अच्छी होती होगी, इसलिए अभ्यास जरूरी है। निरंतर अभ्यास करते रहने से तुम निबंध, अनुच्छेद, पत्र, संवाद, चित्र और डायरी लेखन बिना किसी हिचकिचाहट के आसानी से कर सकोगे।

अक्षर का पुराना इतिहास

देखो, हैंडराइटिंग को सुंदर बनाने के लिए एक-एक अक्षर को सुडौल और खूबसूरत बनाना पड़ता है। इन प्यारे-प्यारे अक्षरों की भी एक कहानी है। पहले अक्षर की खोज 1900 ईसा पूर्व सीनाई पेनिनसुला के लोगों ने की थी। इन सेमिटिक लोगों को मिस्र ने गुलाम बना रखा था। ये लोग हमेशा सोचते रहते कि अक्षरों की अपनी एक दुनिया है और हर शब्द की अपनी एक ध्वनि भी है। उन्हें समझ में आया कि अक्षर से चीजें याद रखने में बेहद मदद मिलती है, वहीं संकेत तो वे भूल जाते हैं। इसके बाद उन्होंने 22 मिस्र के संकेतों को अपने संकेतों के साथ मिलाया और पहले अक्षर की रचना की। इसके बाद वे इन अक्षरों का प्रयोग कुछ प्रचलित चीजों के लिए करने लगे जैसे घर, हाथ, पानी, आंख और मछली।

नेशनल हैंडराइटिंग डे

जिस तरह तुम लोग टीचर्स डे, रिपब्लिक डे और फादर्स डे सेलिब्रेट करते हो, वैसे ही कई देशों में हैंडराइटिंग डे भी मनाया जाता है। यह दिन हर वर्ष 23 जनवरी को आता है। इस दिन बच्चों अपने-अपने घरों में, स्कूलों में कम से कम एक पेज जरूर लिखते हैं। बच्चों की हैंडराइटिंग का विकास बचपन से शुरू हो जाता है। इसलिए निरंतर अभ्यास करना जरूरी है। अगर बच्चा उल्टे हाथ से लिखना शुरू कर रहा है तो उस पर ध्यान देने की थोड़ी अधिक जरूरत है। इसके लिए अभिभावक उसका हाथ पकड़कर और बिंदु बनाकर उसका अभ्यास करवाएं।

ऐसे सुधार सकते हो लिखावट..

रोज लिखो - तुम रोज कम से कम पांच पन्ने लिखने की आदत डालो। इस तरह तुम्हारी हैंडराइटिंग खुद-ब-खुद सुधर जाएगी और तुम्हें लिखने में मजा आने लगेगा।

स्पेलिंग पर ध्यान - लिखते समय स्पेलिंग की गलती का जरूर ध्यान रखना। जब तुम रोज अभ्यास करो, तब किसी बड़े से एक बार जरूर अपने पेज को पढ़वा लो, इस तरह तुम्हारी हैंडराइटिंग का भी आकलन हो जाएगा और तुम्हारी स्पेलिंग की गलतियां भी सामने आ जाएंगी।

बनाओ प्यारी सी डायरी - देखो हैंडराइटिंग के अभ्यास के लिए तुम्हारी नोटबुक भी खास होनी चाहिए, इसलिए एक प्यारी सी डायरी खरीदो और रोज उस पर ही अभ्यास करो। इस तरह तुम्हें अपनी डायरी से प्यार होगा और तुम्हें लिखना भी अच्छा लगने लगेगा।

ग्रीटिंग कार्ड बनाओ - तुम अपने मम्मी-पापा, टीचर और भाई-बहनों के लिए खुद से कार्ड बनाओ और उस पर लिखो। इससे भी तुम्हारा अभ्यास होता रहेगा।

चिट्ठी करेगी मदद - आज मोबाइल के जमाने में चिट्ठी का दस्तूर एकदम खत्म हो गया है, लेकिन तुम इस परंपरा को फिर से शुरू कर सकते हो। बस झट से कागज-कलम उठाओ और अपने किसी रिश्तेदार को चिट्ठी लिखो। देखना, तुम्हारी हैंडराइटिंग में कितना सुधार आता है।

अच्छी कलम-पेंसिल का इस्तेमाल - अच्छी हैंडराइटिंग में बढ़िया पेन और पेंसिल का भी बेहद योगदान होता है, इसलिए इन चीजों में कभी कंजूसी मत करना। तुम जितना अच्छा पेन या पेंसिल इस्तेमाल करोगे, तुम्हारा सुलेख उतना सुंदर होगा।

फाउंटेन पेन - जब तुमने पहली बार पेन से लिखना शुरू किया होगा, तब तुम्हारी टीचर ने फाउंटेन पेन से लिखने की सलाह दी होगी। फाउंटेन पेन से हैंडराइटिंग बेहद अच्छी होती है।

आत्मविश्वास जरूरी - अच्छी हैंडराइटिंग के लिए आत्मविश्वास भी बेहद जरूरी है। हर समय बस ये मत सोचो कि मेरी राइटिंग तो कितनी गंदी है, बल्कि ये सोचो कि मुझे अपनी हैंडराइटिंग सबसे बेहतर करनी है।

लिखो बोर्ड पर - अक्षरों को बेहतर शेप देने के लिए व्हाइट या ब्लैक बोर्ड पर लिखना शुरू कर दो। इससे तुम्हारा हाथ सेट होगा और तुम फिर कॉपी पर भी अच्छा लिखना शुरू कर दोगे।

देखो दोस्तों की राइटिंग - दूसरों से सीखकर तुम बहुत कुछ सीख सकते हो। अपने दोस्तों की हैंडराइटिंग देखकर भी प्रेरणा ले सकते हो।

अपनाओ अपना स्टाइल - तुम जिस तरह लिखने में आरामदायक महसूस करते हो, वैसे ही लिखो। ये कतई जरूरी नहीं कि तुम्हारा दोस्त कर्सिव लिख रहा है तो तुम भी वैसे ही लिखो। तुम अपना खुद का राइटिंग स्टाइल अपनाओ। **कंप्यूटर को 'नो'**- हर समय लिखने के लिए कंप्यूटर, टाइपराइटर और अन्य शॉर्टकट अपनाने से बचो। छोटे से छोटे नोट, घर की लिस्ट भी हाथ से लिखो।

जानिए इन रहस्यमयी जगहों को

लोगों के घूमने-फिरने की कोई सीमा नहीं है। देश-विदेश की सीमा पार कर लोग अपने घूमने के लिए जगह तलाश ही लेते हैं, चाहे वह दुनिया के किसी भी कोने में हो। लेकिन दुनियाभर के कई पर्यटक स्थलों को कुछ खौफनाक या डरावने इतिहास के लिए याद किया जाता है। बावजूद लोग वहां भी घूमने जाते हैं।

सोनोरा चुड़ैल मार्केट, मेक्सिको

मैक्सिको की राजधानी का सोनोरा मार्केट सैलानियों को आकर्षित करने वाला है। इस बाजार की सबसे दिलचस्प खासियत यह है कि यहां तंत्र-मंत्र और जादू टोने की हर सामग्री मिलती है। विदेशी सैलानी यहां सैर-सपाटे के लिए आते हैं तो स्थानीय लोग सांप का खून और सुखाया हुआ हमिंगबर्ड खरीदने। इन्हें यहां पर अच्छे भविष्य की निशानी माना जाता है।

मटर म्यूजियम ऑफ मेडिकल हिस्ट्री, अमेरिका

अमेरिका के फिलाडेल्फिया का मटर म्यूजियम ऑफ मेडिकल हिस्ट्री, पुराने मेडिकल संसाधनों का पिटारा है।यहां कई पुराने उपकरण रखे हुए मिल जायेंगे। लेकिन सबसे डरावनी बात यह है कि यहां मानव खोपड़ियों का विशाल संग्रह है। लोग इन्हें देखने के लिए आते हैं।

करणी माता मंदिर, राजस्थान

राजस्थान के देशनोक गांव का करणीमाता मंदिर पर्यटकों को काफी आकर्षित करता है। इसकी वजह इस मंदिर का स्थापत्य कला या धार्मिक कारण न होकर यहां दिखायी देने वाले चूहे हैं। करणीमाता मंदिर में सैंकड़ों की संख्या में चूहे बिना डरे से इधर-उधर घूमते नजर आते हैं और पर्यटकों को आकर्षित करते हैं।

विंचेस्टर हाउस, कैलिफोर्निया, अमेरिका

अमेरिका के कैलिफोर्निया में एक घर को भूत बंगला के तौर पर जाना जाता है। 160 कमरों का महलनुमा यह घर पर्यटकों को विशेष रूप से आकर्षित करता है। खास कर यह उन लोगों के लिए रोमांचक जगह है, जिन्हें भूत-प्रेत में विश्वास है। माना जाता है कि यहां सारा नामक एक लड़की की आत्मा घूमती रहती है।

मैरी किंग्स, एडिनबर्ग, ब्रिटेन

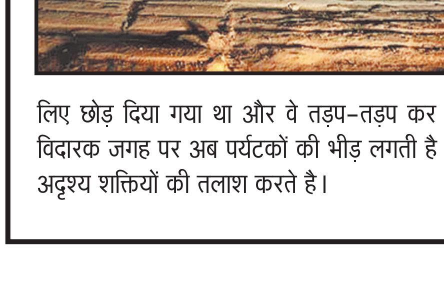

यह वह जगह है, जहां की गलियां बीते दिनों की भयावह सच्चाइयां उजागर करती हैं। यहां कभी प्लेग के शिकार लोगों को सड़कों पर यूं ही तड़पता हुआ मरने के लिए छोड़ दिया गया था और वे तड़प-तड़प कर मर गये। इस हृदय विदारक जगह पर अब पर्यटकों की भीड़ लगती है। ये पर्यटक यहां पर अदृश्य शक्तियों की तलाश करते है।

बांग्लादेश में चुनाव से पहले भड़की हिंसा, ट्रेन फूंका, 5 की मौत

ढाका। बांग्लादेश में कल यानी 7 जनवरी को आम चुनाव हैं। यहां राज्य की वर्तमान शेख हसीना सरकार के खिलाफ लोगों में भारी गुस्सा है। जिसके चलते दो दिन पहले कई विपक्षी नेताओं ने चुनाव लड़ने से इंकार कर दिया था। अब चुनाव से ठीक पहले उपद्रवियों ने एक ट्रेन में आग लगा दी, जिससे 5 लोगों की मौत हो गई। जबकि कई लोग घायल हो गए हैं। आग के हवाले की गई बेनापोल एक्सप्रेस के चार डिब्बे जलकर खाक हो गए। बांग्लादेश फायर ब्रिगेड की टीम ने ट्रेन के जले हुए डिब्बों से पांच शव बरामद किए। मृतकों की पहचान तत्काल नहीं हो सकी है। काफी जद्दोजहद के बाद आग पर काबू पाया गया। फायर ब्रिगेड की टीम करीब 9.35 बजे घटनास्थल पर पहुंची थी और रात साढ़े 11 बजे आग पर काबू पाया गया। ट्रेन ढाका जा रही था। फिलहाल इस मामले में जांच जारी है। और अधिक जानकारी की प्रतिक्षा है। बांग्लादेश की राजधानी ढाका गोपीबाग इलाके में यह घटना शुक्रवार की रात करीब 9.05 बजे हुई। बता दें कि यह घटना बांग्लादेश में आम चुनाव से ठीक दो दिन पहले हुई। 7 जनवरी को यहां चुनाव है। इससे पहले उपद्रवियों ने इस घटना को अंजाम दिया है। यात्री ट्रेन में आगजनी की इस घटना के अफरा तफरा मच गई। सूचना मिलने के बाद दमकल की आठ गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। बता दें कि बांग्लादेश में सात जनवरी को आम चुनाव है। बांग्लादेश में इस समय शेख हसीना की सरकार है। उनकी पार्टी का नाम आवामी लीग है। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी यानी बीएनपी देश की मुख्य विपक्षी पार्टी है। बीएनपी ने पूरी तरह चुनाव का बहिष्कार किया है। बांग्लादेश में कुल 300 सीटें हैं। पिछले चुनाव में आवामी लीग ने 300 में से 290 सीटें जीती थीं।

बीच आसमान में प्लेन की खिड़की टूटकर गिरी, विमान का हिस्सा भी हुआ गायब

-अलास्का एयरलाइंस की कराई इमरजेंसी लैंडिंग, ढूंढा जा रहा कारण

ओरेगॉन । अमेरिका में अलास्का एयरलाइंस के एक विमान की खिड़की अचानक से आसमान में ही टूटकर बाहर गिर गई, इसके साथ ही विमान का कुछ हिस्सा भी टूट गया। शनिवार को हुए इस बड़े विमान हादसे के बाद इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। जानकारी के मुताबिक, अलास्का एयरलाइंस की एक फ्लाइट की खिड़की और विमान का एक हिस्सा बीच हवा में ही उड़ गया। इसके बाद इस प्लेन की ओरेगॉन शहर में किसी तरह इमर्जेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। विमान में सवार एक यात्री ने स्थानीय मीडिया को प्लेन के अंदर की तस्वीर भेजी, जिसमें यात्री की सीटों के बगल में एक खाली छेद दिख रहा है। हालांकि फिलहाल यह पता नहीं चल सका कि इस हादसे में कोई घायल हुआ है या नहीं। उधर अलास्का एयरलाइंस ने कहा कि वह इस घटना के पीछे के कारणों की जांच कर रही है। कंपनी ने एक ईमेल बयान में कहा, 'ओरेगॉन के पोर्टलैंड से कैलिफोर्निया में ओंटारियो के लिए उड़ी अलास्का एयरलाइंस की उड़ान 1282 में उड़ान भरने के तुरंत बाद यह हादसा हुआ। यह विमान 174 मेहमानों और चालक दल के 6 सदस्यों के साथ पोर्टलैंड अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सुरक्षित रूप से वापस उतर गया।' कंपनी ने कहा कि और ज्यादा जानकारी अभी नहीं मिल पाई है, लेकिन जल्दी ही बताया जाएगा। बता दें कि यह उड़ान शाम 4:52 बजे पोर्टलैंड से रवाना हुई थी। लेकिन शाम 5:30 बजे से ठीक पहले लौट आए। फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट फ्लाइटअवेयर के आंकड़ों के मुताबिक, उड़ान के दौरान विमान 16,000 फीट की ऊंचाई तक उठा और फिर नीचे उतरने लगा। स्थानीय मीडिया ने बताया कि एक यात्री द्वारा भेजी गई तस्वीरों से पता चलता है कि हवाई जहाज का एक बड़ा हिस्सा गायब था। एफएए ने एपी द्वारा जानकारी के लिए ईमेल अनुरोध का तुरंत जवाब नहीं दिया। ऑनलाइन एफएए रिकॉर्ड के अनुसार, बोइंग 737-9 मैक्स ने असेंबली लाइन बंद कर दी और इसे दो महीने पहले ही प्रमाणन प्राप्त हुआ है।

न्यूजीलैंड की युवा सांसद ने पार्लियामेंट में नाचकर दिया भाषण

वेलिंग्टन । न्यूजीलैंड की सबसे युवा सांसद रहिती माइपे-क्लार्क ने पार्लेयमेंट में नाच-नाचकर जोरदार भाषण दिया। जिसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। सांसद रहिती माइपे-क्लार्क ने संसद में माओरी संस्कृति का डांस हाका परफॉर्म करते हुए अपना मुद्दा उठाया। यहां गौरतलब है कि हाका एक युद्धगीत होता है जिसे पूरी ताकत और भाव-भंगिमाओं के साथ प्रस्तुत किया जाता है। जानकारी के अनुसार माइपे-क्लार्क ने जब संसद में डांस हाका परफॉर्म कर अपना मुद्दा उठाया तो उनके चेहरे की भाव भंगिमा डरा देने वाली थी। इतना ही नहीं संसद में बड़ी संख्या में लोगों ने इसे उनके पीछे दोहराया भी था। गौरतलब है कि ये दुनियाभर की संसदों में अपने तरह का पहला भाषण है। माइपे-क्लार्क का वीडियो वायरल होते ही एक ट्विटर यूजर ने लिखा, यही वजह है कि मेरी नजर में यह सबसे ईमानदार और लोकप्रिय संसद है। एक अन्य ने लिखा कि इस युवा महिला की ऊर्जा देखिए। एक शख्स ने लिखा- काश मुझे समझ आता कि वह क्या कह रही है, लेकिन उनका जुनून गजब है! यहां गौरतलब है कि ये हाका डांस जनजातियों का स्वागत करने का एक पारंपरिक तरीका है और यह युद्ध में जाते समय योद्धाओं को उत्साहित करने का भी काम करता है। जहां तक माइपे-क्लार्क की बात है तो वह 21 साल की हाना 170 साल में न्यूजीलैंड की सबसे कम उम्र की सांसद बनीं हैं। वह एओटेरोआ में 1853 के बाद से सबसे कम उम्र के सांसद बताई जाती हैं। उन्होंने न्यूजीलैंड में सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाली महिला सांसद नानिया महुता को हराया भी था।

अमेरिकी सेना ने इलेक्ट्रॉनिक फ्यूज का ऑर्डर दिया

वाशिंगटन । अमेरिकी सेना ने अपनी 105 मिलीमीटर और 155 मिलीमीटर के अपने हॉवित्जर तोपखाने के उपयोग के लिए 87 करोड़ डॉलर से अधिक के अतिरिक्त इलेक्ट्रॉनिक फ़्यूज का ऑर्डर दिया है। रक्षा विभाग ने इसकी जानकारी दी गई है। एल3 फ्यूजिंग एंड ऑर्डनेंस सिस्टम्स [ऑफ] सिनसिनाटी, ओहियो को एम762ए1/एम767ए1 इलेक्ट्रॉनिक टाइमिंग फ़्यूज के लिए 87करोड 15लाख डॉलर से अधिक का अनुबंध दिया गया है। रक्षा विभाग ने कहा कि अनुबंध पर काम करने में प्रत्येक ऑर्डर के साथ पांच साल लगने का अनुमान है, इसके पूरा होने की अनुमानित तारीख 4 जनवरी, 2029 है। प्रकाशित रिपोर्टों के अनुसार, एम762ए1/एम767ए1 एक अद्वितीय सैन्य तोपखाना फ़्यूज़ है जिसका उपयोग सभी मौजूदा और भविष्य की अमेरिकी सेना के होवित्जर 105 मिमी और 155 मिमी हथियार प्रणालियों पर किया जायेगा है।

यूक्रेन को हथियारों की आपूर्ति के संबंध में रूस ने बुलाई बैठक

न्यूयार्क । रूस ने यूक्रेन को पश्चिमी हथियारों की आपूर्ति के संबंध में बैठक बुलाई है। रूस ने आगामी 22 जनवरी को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक बुलाने का अनुरोध किया है। सुरक्षा परिषद के एक सूत्र ने यह जानकारी देते हुए बताया कि रूस ने 22 जनवरी को कीव को हथियारों की आपूर्ति के विषय पर एक बैठक का अनुरोध किया है। इस बीच पश्चिमी देशों ने यूक्रेन पर 10 जनवरी को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक बुलाने का अनुरोध किया है।

हेनले-ऑन-थेम्स, ब्रिटेन में तूफान हेन्क के बाद बाढ़ वाले घास के मैदानों को पार करने के लिए अपनी कश्ती का उपयोग करता एक आदमी।

तानाशाह किम जोंग उन की बेटी उसकी प्रबल उत्तराधिकारी

प्योंगयान। साउथ कोरिया की जांच एजेंसी का मानना है कि उत्तर कोरियाई के तानाशाह किम जोंग उन की युवा बेटी उसके सबसे प्रबल उत्तराधिकरियों में से एक है। एक साल पहले ही किम जोंग उन की बेटी की पहली झलक दुनिया के सामने आई थी। बताया जा रहा है कि उसकी उम्र महज 10 साल की है। बेटी ने सितंबर 2022 में अपनी पहली सार्वजनिक उपस्थिति दर्ज कराई थी। पिता के साथ लंबी दूरी की मिसाइल परीक्षण-प्रक्षेपण के दौरान वहां नजर आई थी। तब से उत्तर कोरिया के तानाशाह की बेटी पिता के साथ कई प्रमुख सार्वजनिक कार्यक्रमों में शामिल होती रही है। बीते साल सितंबर में एक सैन्य परेड के दौरान वहां ताली बजाती हुई दिखीं। नवंबर में वायु सेना मुख्यालय की यात्रा के दौरान एक बिंदु पर उनके पिता के सामने उनकी तस्वीर खींची गई थी, जिसमें दोनों किम धूप का चश्मा और लंबे आराम की जैकेट पहने हुए थे। नए साल की पूर्वसंध्या के जश्न में प्योंगयांग स्टेडियम में किम जोंग उन ने बेटी को किस किया और बेटी ने भी पिता को किस किया।

बाइडेन ने 2024 के राष्ट्रपति चुनाव को बताया लोकतंत्र बचाने की लड़ाई

-पूर्व राष्ट्रपति डोलाल्ड ट्रम्प को मुख्य खतरा बताकर लगाए गंभीर अरोप

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने 2024 के राष्ट्रपति चुनाव को अमेरिका में लोकतंत्र बचाने की लड़ाई के रूप में पेश किया और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को मुख्य ख़तरा बताया। बाइडेन ने वर्ष के अपने पहले चुनावी भाषण में कहा कि आज हम यहां सबसे महत्वपूर्ण सवालों का जवाब देने के लिए हैं, क्या लोकतंत्र अभी भी अमेरिका का पवित्र कारण है? उन्होंने कहा कि 2024 का चुनाव इसी के बारे में है। पूर्व राष्ट्रपति ट्रम्प लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ा ख़तरा हैं। उन्होंने कहा कि ट्रंप उसी तरह इतिहास चुराने की कोशिश कर रहे हैं, जैसे उन्होंने चुनाव चुराने की कोशिश की थी। 'हमने इसे अपनी आंखों से देखा। ट्रम्प के समर्थकों ने हिंसक हमला किया, वे विद्रोही थे। भाषण में बाइडेन 6 जनवरी, 2021 को यूएस कैपिटल पर ट्रम्प के समर्थकों द्वारा किए गए हमले का जिक्र कर रहे थे। राष्ट्रपति का भाषण अमेरिकी इतिहास में अमेरिकी लोकतंत्र पर सबसे घातक हमले की तीसरी बरसी की पूर्व संध्या पर आया और यह पेंसिल्वेनिया राज्य के एक सामुदायिक कॉलेज से दिया गया था। इस दौरान बाइडेन ने 30 मिनट के भाषण में 44 बार ट्रम्प का नाम लेकर उल्लेख किया, इससे पूर्व राष्ट्रपति उनके प्रतिद्वंद्वी के रूप में जनता के सामने स्थापित हो गए हैं।

इस पर कुछ विश्लेषकों ने कहा है कि बाइडेन वास्तव में ट्रम्प के खिलाफ फिर से प्रतिस्पर्धा को पसंद करते हैं। रिपब्लिकन मतदाताओं के बीच अपनी लोकप्रियता के बावजूद, ट्रम्प पर दो बार महाभियोग चलाया गया, और चार मामलों में 90 से अधिक अपराधों का आरोप लगाया गया। उन्हें दो राज्यों, कोलोराडो और मेन में मतदान से बाहर कर दिया गया है। बाइडेन अपने कुछ अन्य रिपब्लिकन प्रतिद्वंद्वियों जैसे दक्षिण कैरोलिना के पूर्व गवर्नर और संयुक्त राष्ट्र में संघीय कैबिनेट-रैंक के पद पर राजदूत निक्की हैली के बजाय ट्रम्प के खिलाफ चुनाव लड़ना पसंद करेंगे। आयोवा में एक रैली को संबोधित करते हुए ट्रम्प ने कहा कि बाइडेन राष्ट्रपति चुनाव को लोकतंत्र की लड़ाई के रूप में चित्रित कर रहे हैं, क्योंकि वह अपनी विफलताओं से ध्यान भटकाना चाहते हैं।

वहीं ट्रंप ने प्रशासन और राष्ट्रपति पर उनके खिलाफ मामले दर्ज करने के लिए सरकार का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने सरकार को हथियार बना लिया है और वह कह रहे हैं कि मैं लोकतंत्र के लिए खतरा हूं। राष्ट्रपति बाइडेन को अपने अधिकांश राष्ट्रपति पद के लिए कम मतदान संख्या के साथ संघर्ष करना पड़ा है, पहले कोविड-19 महामारी के दुष्प्रभावों के कारण और फिर बेतहाशा मुद्रास्फीति के कारण परेशान होना पड़ा।

जेल में इमरान, ब्रिटिश मीडिया में छप गया लेख... पाकिस्तान सरकार के हाथपांव फूले

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान सरकार ने कहा है कि वह जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के हवाले से लेख के प्रकाशन को लेकर एक ब्रिटिश मीडिया संस्थान से संपर्क करेगी क्योंकि इस लेख ने संपादकीय निर्णय और विषय-वस्तु की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े किए हैं।

दरअसल इमरान ने आगाह किया कि पाकिस्तान चुनाव तमाशा हो सकता है'' शीर्षक से लेख प्रकाशित हुआ। लेख में इस पर काफी संदेह जताया गया है कि क्या पाकिस्तान में आठ फरवरी को होने वाला चुनाव घोषणा के अनुसार होगा। खान ने लेख में ''अमेरिका के दबाव'' में प्रतिष्ठान द्वारा 2022 में सत्ता से उन्हें ''साजिशन'' हटाने और चुनावों में ''समान अवसर न दिए जाने'' की बात दोहरायी है।

पाकिस्तान सरकार और अमेरिका के विदेश विभाग ने पहले ही इस लेख को खारिज किया है। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक इमरान (71) तोशाखाना भ्रष्टाचार मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद रावलपिंडी की उच्च सुरक्षा वाली अडियाला जेल में बंद हैं और उन पर कई अन्य मुकदमे चलाए जा रहे हैं। खबर के मुताबिक, कार्यवाहक सूचना मंत्री मुर्तजा सोलांगी ने कहा कि सरकार जेल में बंद खान के हवाले से लिखे एक लेख के संबंध में ब्रिटिश प्रकाशन के संपादक को पत्र लिखेगी। सोलांगी ने कहा कि यह हैरान और परेशान करने वाली बात है कि इतने प्रतिष्ठित मीडिया संस्थान ने उस व्यक्ति के नाम से लेख प्रकाशित किया है, जो जेल में है।

उन्होंने कहा, हम यह जानना चाहते हैं कि संपादकीय निर्णय कैसे लिए जाते हैं और ब्रिटिश मीडिया द्वारा सामग्री की वैधता एवं विश्वसनीयता के संदर्भ में क्या ध्यान में रखा जाता है। अखबार ने बताया कि खान की पार्टी के सूत्र इस पर टिप्पणी करने से बच रहे हैं कि यह लेख जेल के भीतर से ब्रिटिश मीडिया संस्थान तक कैसे पहुंचाया गया। हालांकि, उन्होंने माना कि लेख निश्चित रूप से खान के शब्दों में लिखा गया है। कुछ पर्यवेक्षकों ने इस पर संदेह जताया है कि क्या लेख वाकई खान ने लिखा है, लेकिन कई पर्यवेक्षकों का कहना है कि लेख की और विषय-वस्तु खान के विचारों के अनुरूप है।

हमास के डिप्टी चीफ सालेह अल अरौरी की मौत का बदला लेगा हिजबुल्लाह

तेलअवीव। हाल ही में हुए एक हमले में हमास के डिप्टी चीफ सालेह अल अरौरी की मौत हुई थी। इस हमले से तिलमिलाए हिजबुल्लाह के नेता हसन नसरुल्ला ने धमकी देते हुए कहा है कि इस मौत का बदला जरुर लेंगे। यदि आज हम चुप बैठे तो पूरा लेबनान इजरायली हमले के दायरे में आ जाएगा। हमास के डेप्युटी चीफ सालेह की इसी हफ्ते राजधानी बेरूत में जान ले ली गई थी। इसको हमास के लिए एक झटके के तौर पर देखा गया। हिजबुल्लाह के मुखिया हसन नसरल्ला एक हफ्ते में दूसरी मर्तबा अपने लोगों और संगठन को संबोधित कर रहे थे। नसरल्ला ने कहा है कि जिस तरह का अतिक्रमण हुआ, हिजबुल्लाह चुप नहीं बैठेगा।

परमाणु हथियारों की सनक में बर्बाद हुआ उत्तर कोरिया, अब आर्थिक संकट से घिरा

प्योंगयांग (एजेंसी)। उत्तर कोरिया ने परमाणु हथियार बनाकर पूरी दुनिया को चौंका दिया। दबंगता इतनी की दुनिया का कोई भी देश दमदारी से विरोध भी नहीं कर पाया। इन हथियारों के लिए उत्तर कोरिया के मुखिया किम जोंग ने पानी की तरह पैसा बहाया। अब हालात ये है कि यहां की आर्थिक स्थिति बदहाल होने लगी है। किम जोंग इल ने 9 अक्टूबर 2006 में पहला परमाणु परीक्षण करके दुनिया को चौंका दिया। इसके बाद से ही उत्तर कोरिया अब फिर से अमेरिका के निशाने पर आ गया और दक्षिण कोरिया समेत दूसरे यूरोपीय देशों से उसके रिश्तों को टकराव की स्थिति में ला खड़ा किया। मगर दबने की बजाय किम जोंग इल ने अपनी ताकत दिखाते हुए एक और परमाणु परीक्षण कर डाला। देश की अर्थव्यवस्था चरमरा रही थी और इसे बचाने की बजाय उसने अपनी पूरी ताकत सैन्य कार्यक्रमों में लगानी शुरू कर दी। साल 2011 में किम जोंग इल की मौत के बाद उसका बेटा और उत्तर कोरिया का मौजूदा तानाशाह किम जोंग उन गद्दी पर बैठा। सत्ता मिलते ही उसने भी उत्तर कोरिया में परमाणु परीक्षणों की झड़ी लगा दी। 12 फरवरी 2013 को उत्तर कोरिया ने तीसरा, 6 जनवरी 2016 को चौथा, 9 सितंबर 2016 को पांचवां और 3 सितंबर 2017 को उसने छठा परमाणु परीक्षण कर डाला। किम जोंग के परमाणु हथियारों की सनक ने एक अच्छे खासे और तरक्की करते देश को पीछे धकेल दिया। तानाशाही और दुनिया से दुश्मनी के चलते देखते ही देखते उत्तर कोरिया पिछड़ता चला गया, जिसके बाद देश में सिर्फ भूखमरी, बेरोजगारी और खस्ता माली हालत ही रह गई। आज कोरियाई प्रायद्वीप के इन दो देशों में फर्क सिर्फ इतना ही है कि दक्षिण कोरिया खेल से लेकर तकनीक तक हर क्षेत्र में काफी आगे निकल गया है।

अगले माह 8 तारीख को पता चलेगा कि ट्रंप चुनाव लड़ पाएंगे या नहीं?

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के चुनाव लड़ने को लेकर आशंका जताई जा रही है। उन पर कई मामले दर्ज हैं जिसके कारण अमेरिकी कोर्ट ने उन्हे चुनाव लड़ने से मना किया है। लेकिन ट्रंप लगातार अपना पक्ष रखते हुए चुनाव लड़ने की अनुमति मांग रहे हैं। ऐसे में अगले माह 8 फरवरी को सुप्रीम फैसला आएगा, जिसमें तय हो जाएगा कि ट्रंप चुनाव लड़ पाएंगे या नहीं। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ट्रंप की अपील पर सुनवाई करने को राजी हो गया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह 8 फरवरी को दलीलों के साथ मामले की सुनवाई करेगा और कोलोराडो कोर्ट के फैसले की समीक्षा करेगा। बता दें कि डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में कोलोराडो कोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील की दायर की थी। अगर सुप्रीम कोर्ट कोलोराडो कोर्ट के फैसले को बरकरार रखता है तो डोनाल्ड ट्रंप राष्ट्रपति चुनाव नहीं लड़ पाएंगे। सुप्रीम कोर्ट के आदेश आने तक कोलोराडो का फैसला प्रभावी नहीं होगा।

ट्रंप ने दायर अपील में कोलोराडो कोर्ट के उस फैसले को पलटने का अनुरोध किया है, जिसमें उन्हें राष्ट्रपति चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य ठहराया गया था। कोलोराडो कोर्ट ने ट्रंप को अमेरिकी संविधान के 14वें संशोधन के तहत अयोग्य ठहराया था। कोलोराडो कोर्ट ने कैपिटल हिल हिंसा मामले की सुनवाई के दौरान यह फैसला सुनाया था। कोलाराडो कोर्ट ने 4-3 से फैसला सुनाते हुए उन्हें अयोग्य घोषित किया था। कोलोराडो के बाद उत्तर पूर्वी राज्य मेन ने भी ट्रंप को झटका दिया था. मेन राज्य की सेक्रेटरी ऑफ स्टेट शेना ली बेलोज ने कैपिटल हिल हिंसा मामले में फैसला सुनाया कि ट्रंप राष्ट्रपति चुनाव नहीं लड़ सकते। ट्रंप को मेन के बैलेट से हटा दिया जाना चाहिए। कोर्ट ने अपने आदेश में साफ कहा कि ट्रंप अगले साल अमेरिका में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में भाग नहीं ले सकते हैं। अमेरिका के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ जब किसी राष्ट्रपति उम्मीदवार को इस धारा के तहत राष्ट्रपति चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य ठहराया गया हो। बता दें कि अमेरिका में इस साल राष्ट्रपति चुनाव है और डोनाल्ड ट्रंप इससे पहले कानूनी लड़ाई लड़ रहे हैं। बता दें कि यह पूरा मामला 6 जनवरी 2021 का है, जब ट्रंप को राष्ट्रपति चुनाव में हार का सामना करना पड़ा था। नतीजे आने के बाद उन्होंने कैपिटल हिल पर धावा बोल दिया था। भारी संख्या में ट्रंप के समर्थन अमेरिकी संसद में घुस गए थे। इस दौरान उनके समर्थकों ने हिंसा भी की थी। इस घटना में पांच लोगों की मौत हो गई थी. हिंसा भड़काने का आरोप बाद में ट्रंप पर लगा।

इजराइल और हमास जंग के कारण यह जगह अब रहने लायक नहीं बची

गाजा (एजेंसी)। संयुक्त राष्ट्र ने कहा है कि इजराइल और हमास के बीच जारी युद्ध के तीन महीने बाद गाजा के हालात इतनी अधिक खराब हैं, कि यह जगह अब रहने लायक नहीं बची है। संयुक्त राष्ट्र के मानवीय मामलों के अवर सचिव मार्टिन ग्रिफिथ्स ने यह कहकर चेतावनी दी कि गाजा में भुखमरी का खतरा मंडरा रहा है तथा वहां एक भीषण सार्वजनिक स्वास्थ्य आपदा की स्थिति पैदा हो सकती है।

ग्रिफिथ्स ने कहा कि गाजा के 23 लाख लोग प्रतिदिन अपने अस्तित्व के लिए पैदा हो रहे खतरों का सामना करते हैं, जबकि दुनिया सिर्फ देखती रहती है।

उन्होंने कहा कि इस युद्ध में अब तक हजारों लोग मारे गए हैं अथवा घायल हुए हैं, जिनमें ज्यादातर महिलाएं और बच्चे हैं। अधिकारी ने कहा कि गाजा में तापमान में गिरावट के बीच कई परिवार खुले में सोने को मजबूर हैं, और जिन क्षेत्रों में फलस्तीनियों को स्थानांतरित होने के लिए कहा गया था, उन क्षेत्रों पर भी बमबारी की गई है।

ग्रिफिथ्स ने कहा, गाजा में लोग खाद्य असुरक्षा के अब तक के उच्चतम स्तर का सामना कर रहे हैं और भुखमरी का खतरा मंडरा रहा है। गाजा अब रहने लायक नहीं रह गया है। उन्होंने कहा कि गाजा में आंशिक रूप से सक्रिय कुछ अस्पतालों में मरीजों की तादाद काफी अधिक है और चिकित्सा सामग्री तथा दवाइयों की आपूर्ति गंभीर रूप से प्रभावित है। इस बीच, अस्पतालों पर लगातार हमले हो रहे हैं और संक्रामक रोग फैल रहे हैं। इस अराजकता के बीच लगभग 180 फलस्तीनी महिलाएं प्रतिदिन प्रसव पीड़ा से गुजरती हैं।

ग्रिफिथ्स ने युद्ध को तत्काल समाप्त करने और सभी बंधकों की रिहाई के लिए संयुक्त राष्ट्र की मांग को दोहराकर कहा कि यह समय है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय इस युद्ध को समाप्त कराने के लिए हरसंभव प्रयास करे।

युद्ध की वजह से पहले ही गाजा की 23 लाख आबादी का 85 फीसदी हिस्सा विस्थापित हो चुका है, जिससे क्षेत्र का उत्तरी इलाका वीरान हो गया है। इजराइल के हवाई और जमीनी हमले बढ़ने के कारण दक्षिण में भी विस्थापन का खतरा बढ़ गया है। फलस्तीनी नागरिकों को अब कोई भी जगह सुरक्षित नहीं लग रही है। इजराइली सेना के व्यापक अभियान ने पहले ही उत्तरी गाजा के अधिकांश हिस्सों को वीरान कर दिया है। युद्ध में पहले ही 21,300 से अधिक फलस्तीनी नागरिकों की मौत हो चुकी है और भीषण मानवीय संकट पैदा हो गया है, जिससे गाजा की एक चौथाई आबादी भुखमरी

का सामना कर रही है। इजराइल में सात अक्टूबर के हमले में हमास ने करीब 1200 लोगों की हत्या करने के अलावा लगभग 240 लोगों का अपहरण कर लिया था।

इसीलिए डोक्टर को भगवान का दूसरा रूप कहतें हैं : बच्चे का शरीर से अलग हुआ हाथ जोड़ा

सूरत ।धरती पर डोक्टर को भगवान का दूसरा रूप लोग ऐसे नहीं कहते।सूरत में एक बच्चे के शरीर से अलग हाथ को जोड़कर डोक्टरों ने इसे सार्थक कर दिया है। 3-4 दिन पहले सूरत के डिंडोली क्षेत्र में 6 साल के एक बच्चा मंदिर में दर्शन कर लौट रहा था।सड़क पार करते समय एक ट्रक ने बच्चे को अपनी चपेट में ले लिया। इस हादसे में ट्रक का पहिया बच्चे के एक हाथ को रौंदते हुए आगे बढ़ गया।गंभीर दुर्घटना में बच्चे का हाथ उसके शरीर से अलग हो गया। सात बहनों के बीच इकलौते भाई की ऐसी हालत देख पूरा परिवार बिलख उठा। 3 जनवरी की इस दुर्घटना का शिकार हुए बच्चे को सूरत के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया। अस्पताल में डोक्टरों की टीम ने पांच घंटे की जटिल सर्जरी कर बच्चे का हाथ उसके शरीर से फिर जोड़ दिया।हाथ जोड़ने के बाद रक्त संचार नियमित होने से डोक्टर समेत परिवार में खुशी है। महाराष्ट्र के मूल निवासी प्रकाश सूरत के डिंडोली में अपने परिवार के साथ रहते हैं और संचा मशीन में बतौर ऑपरेटर काम करते हैं।परिवार में 6 बेटियां और एक 6 वर्षीय बेटा गौरव है।गत 3 जनवरी को गौरव रोज की भांति घर के निकट महादेव जी के मंदिर में दर्शन करने गया था। जहां से घर लौटते समय ट्रक की चपेट में आ गया था और इस हादसे में गौरव का बायां हाथ कट कर शरीर से अलग हो गया था।

उपराष्ट्रपति ने उनकी मिमिक्री करने वाले सांसद को दी जन्मदिन पर बधाई

कोलकाता।उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने उनकी मिमिक्री करने वाले टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी को उनके जन्मदिन पर बधाई दी है। मिली जानकारी के अनुसार हुगली के श्रीरामपुर के सांसद ने खुद एक्स पर इसकी जानकारी देते हुए कहा कि बंगाल के पूर्व राज्यपाल तथा वर्तमान उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने उनकी पत्नी से फोन पर बात की।उन्होंने जन्मदिन पर बधाई दी तथा अपने घर पर रात्रिभोज के लिए आमंत्रित भी किया। कल्याण ने इसके बदले में उन्हें धन्यवाद दिया है। गौरतलब है कि पिछले महीने टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी ने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की नकल उतारकर सियासत गरमा दी थी। उस दौरान भाजपा ने इसकी कड़ी आलोचना की थी।हालांकि, टीएमसी सांसद अपने रवैये पर अड़े रहे और कहा था कि मैं बार-बार नकल उतारूंगा। यह उनका मौलिक अधिकार है।टीएमसी नेता ने कहा कि मुझे जेल में भी डाल दिया जाए, तब भी मैं मिमिक्री करता रहूंगा। मुझे मिमिक्री करने से कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने कहा कि अगर किसी के पास शिक्षा नहीं है और उसे हास्य समझ में नहीं आता तो मैं क्या कर सकता हूं।

अंतर्राष्ट्रीय पतंग महोत्सव 2024 में 55 देशों के पतंगबाज शामिल होंगे

अहमदाबाद। गुजरात के पर्यटन विभाग ने 7 जनवरी से 14 जनवरी के दौरान अंतर्राष्ट्रीय पतंग महोत्सव 2024 का आयोजन किया है। अहमदाबाद के साबरमती रिवरफ्रंट पर वल्लभसदन के निकट अंतर्राष्ट्रीय पतंग महोत्सव होगा। मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल कल यानी 7 जनवरी को सुबह 8 बजे पतंग महोत्सव का उदघाटन करेंगे। पतंगबाजों का उत्साह बढ़ाने मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल भी पतंगबाजी पर हाथ आजमाएंगे।इस मौके पर राज्य के पर्यटन मंत्री मूलुभाई बेरा भी उपस्थित रहे। पतंग महोत्सव में विश्व के 55 देशों के 153 अंतर्राष्ट्रीय पतंगबाज शामिल होंगे।इसके लिए देश के 12 राज्यों के 68 राष्ट्रीय और गुजरात के 23 शहरों के 865 जितने पतंगबाज भाग लेंगे।पतंगबाजों के विभिन्न आकार के पतंग लोगों में आकर्षण का केन्द्र होंगे।गुजरात सरकार ने हर साल की भांति गुजरात के विभिन्न शहरों में पतंग महोत्सव का आयोजन किया है।7 जनवरी को अहमदाबाद के बाद 8 जनवरी को वडोदरा में, 9 जनवरी को एकता नगर और देवभूमि द्वारका में, 10 जनवरी को सूरत और राजकोट, 11 जनवरी को धोरडो और वडनगर, 12 जनवरीको नडाबेट में पतंग महोत्सव का आयोजन किया गया है।अंतर्राष्ट्रीय पतंग महोत्सव 2024 में खास तौर पर पतंग का इतिहास दर्शाते थीम पर पैवेलियन बनाया गया है।पतंग महोत्सव के दौरान राज्य के हस्तकला के कारीगर अपने हाथ से बनाई गई चीज-वस्तुएं बेच सकें, इस उद्देश्य से हस्तकला बाजार के स्टोल्स और पतंगरसियाओं के लिए खान-पान के स्टोल भी लगाए गए हैं।पतंग महोत्सव के दौरान अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय पतंगबाजों की परेड का भी आयोजन किया गया है।इतना ही नहीं पतंग महोत्सव के दौरान 7 से 13 जनवरी के दौरान शाम 7 बजे से रात 9 बजे तक सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। गुजरात सरकार के पर्यटन विभाग द्वारा पतंग महोत्सव के आयोजन से देश-विदेश के पर्यटकों की संख्या बढ़ने के साथ ही स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसरों का सृजन हुआ है।जिससे अर्थतंत्र मजबूत होने के साथ ही पर्यटन विभाग से जुड़े लोगों को रोजगार मिलने से उनके जीवनस्तर में भी सुधार हुआ है।

अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम की 2 संपत्तियां हुई नीलाम

मुंबई।मुंबई सीरियल ब्लास्ट मामले के मुख्य और वांछित भगोड़ा आरोपी दाऊद इब्राहिम से जुड़ी चार संपत्तियों की नीलामी प्रक्रिया शुक्रवार को आयकर विभाग द्वारा आयोजित की गई। इनमें से दो संपत्तियों की नीलामी पूरी हो गई. आयकर विभाग के सूत्रों के अनुसार महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले के खेड़ तालुका के मुंबके गांव के दाऊद इब्राहिम कासकर के परिवार की चार संपत्तियों के लिए शुक्रवार को मुंबई के आयकर भवन में बोली लगाई गई।जब्त की गई इन संपत्तियों की नीलामी तस्कर और विदेशी मुद्रा हेरफेरकर्ता (संपत्ति की जब्ती) अधिनियम (सफेमा) एनडीपीएस अधिनियम, 1985 के साथ-साथ बेनामी संपत्ति लेनदेन रोकथाम अधिनियम के तहत की गई थी।मुंबके गांव में 171 वर्ग मीटर के कृषि भूखंड के लिए 2 करोड़ रुपये की सबसे सफल बोली थी।जबकि 1730 वर्ग मीटर क्षेत्रफल वाली एक अन्य कृषि भूमि के लिए 3.28 लाख रुपये की उच्चतम बोली लगाई गई. ये दोनों संपत्तियां एक ही व्यक्ति के कब्जे में चली गई हैं. अन्य दो भूखंडों के लिए किसी ने बोली नहीं लगाई।सुरक्षा कारणों से खरीददार का नाम जारी नहीं किया गया है. आपको बता दें कि दाऊद इब्राहिम कासकर और उसके भाई-बहनों ने 1970 में मुंबई आने से पहले अपना बचपन मुंबके गांव में बिताया था।कहा जाता है कि मुंबई सीरियल ब्लास्ट के बाद दाऊद पाकिस्तान के कराची में रह रहा है।

कश्मीरी पंडितों व मजदूरों का हत्यारा लश्कर आतंकी बिलाल हुआ ढेर

-शोपियां जिले में हुई मुठभेड़ के दौरान सेना ने की घेराबंदी, मरने की हुई पुष्टि

श्रीनगर ।लश्कर-ए-तैयबा का आतंकवादी बिलाल अहमद सेना से हुई मुठभेड़ में ढेर हो गया है। मिली जानकारी के अनुसार शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले में सुरक्षा बलों से हुई मुठभेड़ में बिलाल मारा गया।पुलिस ने बताया कि वह सेना के अधिकारी लेफ्टिनेंट उमर फैयाज के 2017 में अपहरण और हत्या के मामले में भी शामिल था।इसके साथ ही उसने कई मजदूरों तथा कश्मीरी पंडितों की हत्या की थी। पुलिस के एक प्रवक्ता ने बताया कि दक्षिण कश्मीर के शोपियां जिले के छोटीगाम में आतंकवादी की मौजूदगी के बारे में मिली गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए सुरक्षा बलों ने तड़के इलाके घेराबंदी की और तलाशी अभियान चलाया। जब सुरक्षा कर्मी संदिग्ध स्थान पर पहुंचे, तो छिपे हुए आतंकवादी ने उनपर अंधाधुंध गोलियां चलाईं, जिसका उचित जवाब दिया गया और मुठभेड़ शुरू हो गई।उन्होंने कहा कि मुठभेड़ के दौरान आतंकवादी की मौत हो गई और मुठभेड़ स्थल से उसका शव बरामद हुआ। आतंकवादी की पहचान प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन एलईटी से जुड़े चेक चोलन के निवासी बिलाल अहमद भट के रूप में हुई है। बिलाल भट कई आतंकी मामलों में शामिल था, जिसमें सुदसन कुलगाम के निवासी सेना के अधिकारी उमर फैयाज की हत्या का मामला भी शामिल है।मई 2017 में 2 राजपूताना राइफल्स के 22 वर्षीय सैन्य अधिकारी लेफ्टिनेंट फैयाज छुट्टियों के दौरान शोपियां में अपने चचेरे भाई के विवाह समारोह में शामिल हुए थे तब आतंकवादियों ने उनका अपहरण कर लिया था और बाद में गोली मारकर उनकी हत्या कर दी गई थी। शोपियां की वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक तनुश्री ने बताया कि लेफ्टिनेंट फैयाज की हत्या के संबंध में दर्ज प्राथमिकी में भट का नाम शामिल था। वह उस समय आतंकियों का सक्रिय सहयोगी था और उसका नाम पु?लिस की प्राथमिकी में दर्ज किया गया था।पुलिस ने कहा कि भट ने हरमैन में गैर-स्थानीय मजदूरों पर भी ग्रेनेड फेंका था, जिसके परिणामस्वरूप दो मजदूरों की मौत हो गई थी।भट कश्मीरी पंडित सुनील कुमार की हत्या और एक अन्य कश्मीरी पंडित प्रीतिंबर नाथ को घायल करने में भी शामिल था, जो छोटीगाम शोपियां के निवासी थे।वह छोटीगाम निवासी स्थानीय बाल कृष्ण उर्फ सोनू पर हमले में भी शामिल था।

यदि एलजी की बात सही हुई तो आप पर लगाएंगे भारी जुर्माना: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सरकार और एलजी के बीच आए दिन विवाद हो रहे हैं। इन्हे सुलझाने के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया जा रहा है। इस बार फरिश्ते योजना को लेकर विवाद सुप्रीम कोर्ट पहुंचा है। इस विवाद पर कोर्ट ने जहां एलजी को नसीहत दी हैं वहीं यह भी कहा कि एलजी का जवाब आने के बाद यदि उनकी बात सही निकली तो आम आदमी पार्टी पर भारी भरकम जुर्माना लगाएंगे। बता दें कि दिल्ली सरकार की फरिश्ते योजना है जिसके तहत सड़क दुर्घटनाओं में घायल होने वाले लोगों को नजदीकी सरकारी या निजी अस्पताल में पहुंचाने पर उसका मुफ्त इलाज होता है और अस्पताल ले जाने वाले व्यक्ति को पुरस्कृत किया जाता है। दिल्ली सरकार ने एलजी और अधिकारियों पर फंडिंग में अड़चन पैदा करने का आरोप लगाते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। कोर्ट ने इस मामले में एलजी को नोटिस जारी किया था।

नोटिस का जवाब देने के लिए एलजी की ओर से अडिशनल सॉलिसिटर जनरल संजय जैन पेश हुए। उन्होंने बीआर गवई और संदीप मेहता की बेंच को बताया कि योजना में एलजी की कोई भूमिका नहीं है। इसका संचालन एक सोसायटी के माध्यम से किया जाता है जिसके मुखिया दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री हैं। सरकार और सोसायटी की बैठक के बाद फंड जारी हो चुकी है। उन्होंने कहा कि एलजी को बेवजह इसमें घसीटा जा रहा है। जैन से सुप्रीम कोर्ट ने कहा, आप अपने एलजी से कहें कि हर मुद्दे को प्रतिष्ठा का सवाल ना बनाएं। इस पर जैन ने कहा कि यह कैबिनेट बनाम एलजी का मुद्दा नहीं है जिस तरह याचिका में बताया गया है। जैन ने बेंच के सामने इस मामले को चाय के कप में तूफान बताया। इसके बाद शीर्ष अदालत ने एलजी के वकील से कहा कि आप इस बारे में एक हलफनामा दाखिल करें। अगर हमें पता चलता है कि मंत्री ने हमें धोखा दिया है, तो हम उचित जुर्माना लगाएंगे। इस पर जैन ने कहा कि 'किसी ने भी किसी को धोखा नहीं दिया है और उम्मीद की है कि याचिकाकर्ता ने इस अदालत के मंच का इस्तेमाल किसी चीज को उत्तेजित करने के लिए किया है। यह चाय के प्याले में तूफान का एक क्लासिक उदाहरण है।' वरिष्ठ अधिवक्ता ने पीठ से कहा कि 'यह योजना एक सोसायटी द्वारा संचालित थी और सोसायटी की हाल ही में 2 जनवरी को हुई बैठक में धनराशि जारी करने का निर्णय लिया है, जिससे सभी लंबित दावों को जारी किया जाएगा।

ममता की धरती पर केंद्रीय मंत्री ने दी चुनौती, बोले- लोकसभा चुनाव से पहले लागू करेंगे सीएए

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की टीएमसी सरकार घोषणा कर चुकी है कि किसी भी हाल में उनके राज्य में सीएए लागू नहीं होने देंगे। वहीं केंद्रीय मंत्री का बयान आया है कि लोकसभा चुनाव से पहले हर हाल में बंगाल में सीएए लागू करेंगे। अब दोनों ही तरफ से सीएए को लेकर घमासान शुरु हो गया है। लोकसभा चुनाव से पहले संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) नियमों की अधिसूचना जारी होने की खबरों के बीच केंद्रीय जहाजरानी राज्यमंत्री शांतनु ठाकुर ने दावा किया है कि चुनाव से पहले सीएए लागू हो जाएगा। हावड़ा के बाली इलाके में विकसित भारत संकल्प यात्रा में हिस्सा लेने आए बनगांव से भाजपा सांसद शांतनु ठाकुर ने पत्रकारों द्वारा सीएए को लेकर पूछे गए सवाल पर स्पष्ट कहा कि इसे लेकर कोई संशय नहीं है। लोकसभा चुनाव के पहले ही पूरे देश में सीएए लागू हो जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा 400 से ज्यादा सीटें जीतेगी और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में लगातार तीसरी बार केंद्र में सरकार बनेगी। दूसरी तरफ, बंगाल की सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस ने कहा कि राज्य में सीएए किसी हाल में लागू नहीं होगा।तृणमूल की वरिष्ठ नेता व राज्य सरकार में मंत्री डा शशि पांजा ने भाजपा पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि आम चुनाव से पहले लोगों को गुमराह करने के लिए ऐसी खबरें फैलाई जा रही हैं।बता दें कि केंद्र सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा था कि सीएए के नियम लोकसभा चुनाव की घोषणा से काफी पहले अधिसूचित किए जाएंगे।

ईडी की टीम पर हुए हमले को लेकर भड़के केंद्रीय मंत्री बोले-पश्चिम बंगाल में किमजोंग जैसी सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल ही में राशन घोटाले की जांच करने पश्चिम बंगाल पहुंची ईडी की टीम पर हमला हुआ था। इस हमले में कई अफसर घायल हुए थे। इस मामले ने अब सियासी रंग ले लिया है। केंद्रीय मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता गिरिराज सिंह ने गुस्से में यहां तक कह दिया की पश्चिम बंगाल में उत्तर कोरिया की किम जोंग जैसी तानाशाही वाली सरकार चल रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि बंगाल में लोकतंत्र स्पष्ट रूप से अनुपस्थित है। ऐसा प्रतीत होता है कि ममता बनर्जी उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन जैसी सरकार का नेतृत्व कर रही हैं।पश्चिम बंगाल में लोकतंत्र जैसा कुछ नहीं है। ऐसा लगता है कि वहां किम जोंग-उन की सरकार है। अधीर रंजन ने कहा है कि अगर हत्या भी हो जाए तो कोई नई बात नहीं होगी। यह ममता बनर्जी का लोकतंत्र है। इस बीच टीएमसी के साथ इंडिया गठबंधन में सहयोगी कांग्रेस ने भी ममता बनर्जी शासित राज्य में राष्ट्रपति शासन की मांग करके उस पर कड़ा प्रहार किया। पश्चिम बंगाल के प्रभारी और कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि राज्य में अब कानून व्यवस्था चरमरा गई है उन्होंने कहा कि अगर टीएमसी शासित राज्य में अधिकारियों की हत्या हो जाए तो उन्हें आश्चर्य नहीं होगा।

बता दें कि जांच एजेंसी की एक टीम पर उत्तर 24 परगना जिले के संदेशखाली गांव में उस समय हमला किया गया और उसके वाहनों को क्षतिग्रस्त कर दिया गया, जब वह कथित राशन घोटाले के सिलसिले में टीएमसी के ब्लॉक स्तर के पदाधिकारी शाहजहां शेख और शंकर अद्या और उनके रिश्तेदारों के घर पर छापा मारने पहुंची थी। सजहान को राज्य मंत्री ज्योतिप्रियो मल्लिक का करीबी सहयोगी माना जाता है। उन्हें करोड़ों रुपये के राशन वितरण घोटाले के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया था।बड़ी संख्या में टीएमसी सदस्यों और समर्थकों ने ईडी अधिकारियों का घेराव किया और उनके साथ धक्का-मुक्की की। अधिकारियों को अपने क्षतिग्रस्त वाहनों को वहीं छोड़ने और ऑटोरिक्शा और दोपहिया वाहनों से सुरक्षित स्थान पर जाने के लिए मजबूर होना पड़ा। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने भी अधिकारियों पर हमले की निंदा करते हुए इसे खतरनाक, निंदनीय और भयानक घटना बताया है।उन्होंने कहा, यह एक भयानक घटना है। यह चिंताजनक और निंदनीय है। लोकतंत्र में बर्बरता को रोकना एक सभ्य सरकार का कर्तव्य है। यदि कोई सरकार अपने मूल कर्तव्य में विफल रहती है, तो भारत का संविधान अपना काम करेगा। उचित कार्रवाई के लिए मेरे सभी संवैधानिक विकल्प आरक्षित हैं। इस चुनाव पूर्व हिंसा का शीघ्र अंत होना चाहिए। यह उस अंत की शुरुआत है। उन्होंने कहा, बंगाल कोई बनाना रिपब्लिक नहीं है। सरकार को लोकतंत्र में बर्बरता बंद करनी चाहिए।

जेडीयू को रास नहीं आ रहा इंडिया में सीट बंटवारे का फार्मूला

-कांग्रेस 14 जनवरी तक सीट बंटवारे को लेकर नहीं करेगी कोई बातचीत

पटना (एजेंसी)। कांग्रेस के सीट बंटवारे को लेकर दिए गए फार्मूले पर जेडीयू सहमत नहीं हैं। हालांकि बिहार में इंडी अलायंस में सीट शेयरिंग को लेकर चर्चा तेज है। माना जा रहा है जल्द औपचारिक तौर पर सीट शेयरिंग पर जेडीयू आरजेडी कांग्रेस और लेफ्ट के बीच बात शुरू हो जाएगी। लेकिन, सीट शेयरिंग पर बात से पहले ही कांग्रेस ने इसे 14 जनवरी तक टाल दिया है। इसके लिए कांग्रेस की तरफ से पोजिशनिंग शुरू हो गई है। पार्टी के बिहार अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह ने पिछली बार लोकसभा चुनाव में महा गठबंधन में सीट बंटवारे का हवाला देते हुए इस बार फ्लेक्सिबल होने की सलाह दे दी है। यानी अखिलेश चाहते हैं कि कांग्रेस भी फ्लेक्सिबल होगी, लेकिन गठबंधन में शामिल जेडीयू आरजेडी और लेफ्ट को भी थोड़ा लचीला होना पड़ेगा। अब इंडी गठबंधन में सीट बंटवारे को लेकर 14 जनवरी तक कांग्रेस कोई बात नहीं करेगी। यह निर्णय कांग्रेस प्रभारी मोहन प्रकाश, प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश सिंह, विधायक दल के नेता शकील अहमद खान की बैठक में लिया गया है। गौरतलब है कि 14 जनवरी से राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा शुरू हो रही है। इधर सीट बंटवारे को लेकर कांग्रेस ने गठबंधन को अपनी सूची भेज दी है। इस मामले में बिहार कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि बिहार में पिछली बार कांग्रेस 9 सीटों पर चुनाव लड़ी थी। लिहाजा इस बार भी एक दो सीटों का ही अंतर होगा। पिछली बार उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी पांच, जीतन राम मांझी की पार्टी तीन और मुकेश सहनी की पार्टी तीन सीटों पर चुनाव लड़ी थी। यानी कुल 11 सीटों पर ये तीनों क्षेत्रीय पार्टी चुनाव लड़ी थी। इस बार यह तीनों पार्टियां इंडिया अलायंस में नहीं हैं। कुल अंतर 5 सीटों का ही है। यानी केवल पांच सीटें ही जेडीयू के आने के बाद सबको एडजस्ट करना पड़ेगा। ऐसे में कांग्रेस चाहती है कि यह पांच सीट जदयूस, राजद, कांग्रेस सभी मिलकर आपस में कम करें और सभी दल लचीला रुख अपनाए।

22 जनवरी को कालाराम मंदिर के दर्शन और गोदावरी नदी के किनारे 'महा आरती करुंगा : उद्धव ठाकरे

- राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के लिए नहीं मिला निमंत्रण

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे ने कहा कि वह और उनकी पार्टी के नेता 22 जनवरी को नासिक के कालाराम मंदिर के दर्शन और गोदावरी नदी के किनारे 'महा आरती करुंगा। ठाकरे को 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के लिए अभी तक कोई निमंत्रण नहीं मिला है। पूर्व मुख्यमंत्री ने अपनी मां दिवंगत मीना ठाकरे को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद कहा कि जब भी उनका मन करेगा तब वह अयोध्या जाएंगे। उन्होंने कहा, अयोध्या के राम मंदिर का अभिषेक गौरव और आत्म-सम्मान का विषय है। नासिक के पंचवटी इलाके में स्थित कालाराम मंदिर भगवानराम को समर्पित है। मंदिर को काले रंग के पत्थर से बनी भगवान राम की मूर्ति के लिए यह नाम मिला। ऐसा माना जाता है कि भगवान राम वनवास के दौरान अपनी पत्नी सीता और भाई लक्ष्मण के साथ पंचवटी में रहे थे। डॉ.

आंबेडकर ने 1930 में कालाराम मंदिर में दलितों के प्रवेश की मांग कर मंदिर परिसर में एक प्रदर्शन की अगुवाई की थी। ठाकरे ने कहा कि 23 जनवरी को उनके पिता और शिवसेना संस्थापक दिवंगत बाल ठाकरे की जयंती पर पार्टी नासिक में एक रैली करेगी। उन्होंने कहा था, ''मुझे अभी तक कोई निमंत्रण नहीं मिला है और मुझे अयोध्या जाने के लिए किसी निमंत्रण की जरूरत नहीं है क्योंकि राम लल्ला सभी के हैं। जब भी मेरा मन होगा तब मैं जाऊंगा। शिवसेना ने राम मंदिर आंदोलन में काफी योगदान दिया था।

रायबरेली सीट पर भाजपा की नजर... सोनिया के खिलाफ उतर सकती हैं अदिति सिंह

-अमेठी के साथ रायबरेली में भी जीती की तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा मणिपुर से शुरू होकर मुंबई तक जाएगी। यात्रा का सबसे अहम पड़ाव उत्तर प्रदेश होगा। कांग्रेस की ओर से शेयर रूट मैप के मुताबिक यूपी में यात्रा करीब 1000 किलोमीटर का सफर तय करेगी। इसके तहत तीन अहम पड़ाव जिले की तीन सीटें वाराणसी, रायबरेली और अमेठी होंगी। इन सभी में जाकर कांग्रेस अलग-अलग संदेश देना चाहती है।

काशी से कांग्रेस यह संदेश देगी कि वह सीधे पीएम मोदी को चुनौती देने की स्थिति में है। इसके अलावा रायबरेली में वह अपने गढ़ को बरकरार रखने की कोशिश करेगी, जबकि अमेठी में वह अपनी खोई प्रतिष्ठा वापस पाने का संकल्प लेगी। अमेठी से 2019 में राहुल गांधी हार गए थे, लेकिन संभव है कि इस बार अमेठी से ही राहुल गांधी फिर मैदान में उतरें।

इस बीच रायबरेली से भाजपा की तैयारियों की भी चर्चा जोरों से है। चर्चा है कि रायबरेली से भाजपा अदिति सिंह को उतार सकती है, जो लोकप्रिय हैं और

महिला कार्ड भी उनके नाम पर चल जाएगा। अदिति सिंह के पिता अखिलेश सिंह का भी जिले में अच्छा कद था और वह निर्दलीय ही विधायक चुने जाते थे। रायबरेली संसदीय सीट पर 2019 में सोनिया गांधी ने 1 लाख 67 हजार वोटों से जीत हासिल की थी। यूं यह अंतर काफी है, लेकिन पहली बार उनकी जीत का अंतर इतना कम था। इसके पहले यह कम से कम 3 लाख तक रहता था। इसके बाद भाजपा इस अंतर को अपने लिए उम्मीद के तौर पर देख रही है। 2019 में भाजपा ने अमेठी सीट जीती ही थी और अब रायबरेली पर उसकी नजर होगी। दरअसल सोनिया गांधी बीते 5 सालों में रायबरेली बहुत कम आई हैं। इतना ही नहीं उनकी गैरमौजूदगी में आने वालीं प्रियंका गांधी वाड्रा भी यहां नहीं दिख रही हैं। इसके चलते कांग्रेस कार्यकर्ताओं के हौसले भी थोड़े गिरे हुए हैं। भाजपा के लोगों का कहना है कि हम इस बार रायबरेली में पूरा जोर लगाएंगे। रायबरेली, सलोन, हरचंदपुर सहित ज्यादातर विधानसभा सीटें भी भाजपा के पास ही हैं। इसकारण भाजपा को यहां उम्मीद की किरण दिख रही है। यहां से लोकसभा चुनाव में सपा कैंडिडेट नहीं देती है। यह भी कांग्रेस की जीत की एक वजह माना जाता है, क्योंकि जब वह विधानसभा चुनावों में कैंडिडेट देती है, तब कांग्रेस को झटका लगता है। इस बीच कांग्रेस में एक चर्चा यह भी है कि रायबरेली से राहुल गांधी को ही उतारा जा सकता है, जबकि अमेठी में महिला बनाम महिला कार्ड के लिए प्रियंका को वहां स्मृति के मुकाबले भेजा जा सकता है। हालांकि यह सभी चर्चाएं स्थानीय स्तर पर ही चल रही हैं और आधिकारिक स्तर पर कुछ कहा नहीं जा रहा है। गौरतलब है कि यूपी में कांग्रेस ने 2009 के आम चुनाव में 22 सीटें जीती थीं, लेकिन 2014 में यह आंकड़ा 2 पर ही सिमट गया। फिर 2019 में तब रायबरेली के अलावा सब जगह हार मिली। अमेठी में राहुल गांधी भी हार गए और वह अब केरल की वायनाड लोकसभा सीट से ही सांसद हैं।

अपने दम पर लोकसभा चुनाव लड़ने पर कांग्रेस को मिल सकता है लाभ

- महाराष्ट्र की सभी 48 लोकसभा सीटों पर कांग्रेस ने शुरू की तैयारी

- कांग्रेस को अपने ही सहयोगी दल कर रहे नजरअंदाज

मुंबई (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस की अगुवाई में बनी इंडिया अलायंस ने सीटों के बंटवारे की समय सीमा दिसंबर के अंत तक तय की थी. लेकिन अभी भी किसी भी राज्य में सीट बंटवारे का फॉर्मूला तय नहीं हो सका है. दरअसल इंडिया अलायंस में जो भी दल है वो अपने-अपने राज्य में अधिक से अधिक सीटों पर लड़ने को इच्छुक है. कांग्रेस को ज्यादा सीटें देने के पक्ष में कई राजनीतिक दल उत्सुक नजर नहीं आ रहे. इसमें बंगाल से तृणमूल की ममता बनर्जी, बिहार से जदयू के नीतीश कुमार, आरजेडी के लालू यादव, महाराष्ट्र में एनसीपी (शरद पवार गुट) के शरद पवार, शिवसेना के उद्धव ठाकरे तथा उत्तरप्रदेश में समाजवादी पार्टी के अखिलेश सिंह प्रमुख हैं. कमोबेश यही हाल दिल्ली का भी है जहां आप पार्टी के अरविन्द केजरीवाल दिल्ली की सभी लोकसभा सीटों पर अपनी ही पार्टी की दावेदारी बता रहे हैं. ऐसे में कांग्रेस के समक्ष विकट स्थिति उत्पन्न हो चली है. सूत्रों की मानें तो महत्वपूर्ण बात ये भी है कि अधिकांश प्रमुख राजनीतिक दल के सर्वेसर्वा चाहे वो नितीश कुमार हों, शरद पवार या फिर लालू यादव हों या ममता बनर्जी और अखिलेश यादव ये सभी प्रधानमंत्री का पद कांग्रेस को खासकर राहुल गाँधी को नहीं देने की अंदरखाने बात कर रहे हैं. इन सब बातों से कांग्रेस के पास एक ही विकल्प बचता है कि वो इस बार लोकसभा चुनाव अपने बलबूते लड़े. राजनीतिक जानकार भी यही बताते हैं कि अगर कांग्रेस पार्टी ने योग्य उम्मीदवार दिया और कम सीटों पर दमदार तरीके से चुनाव मैदान में उतरी तो बेहतर प्रदर्शन कांग्रेस कर सकती है. बात करें महाराष्ट्र की तो यहां लोकसभा की 48 सीटें हैं. एबीपी सी वोटर सर्वे के मुताबिक राज्य में महाविकास अघाड़ी को 26 से 28 सीटें मिलने का अनुमान है. जबकि सत्ताधारी महागठबंधन को 19 से 21 सीटें मिल सकती हैं. इस बीच कांग्रेस एक बड़ा कदम उठाने की तैयारी कर रही है। कांग्रेस ने राज्य की सभी 48 सीटों पर तैयारी शुरू कर दी है. दरअसल उद्धव ठाकरे गुट ने 23 सीटों की मांग की है, जबकि वंचित बहुजन विकास अगाड़ी ने 12 सीटों पर जोर दिया है. जबकि शरद पवार की एनसीपी भी 15 सीटों पर जोर दे रही है. इसलिए कांग्रेस ने अब 48 सीटों के लिए उम्मीदवारों के नाम मांगे हैं। इसको लेकर महाविकास अघाड़ी में अन्य घटक दलों के बीच हलचल शुरू हो गई है. कांग्रेस की ओर से कहा गया है कि जो नेता लोकसभा चुनाव लड़ना चाहते हैं वे अपना नाम बताएं. कांग्रेस के इस रुख के बाद अब शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे के सांसद संजय राउत कहते हैं कि महाविकास अघाड़ी में पार्टियों का सीटों का बंटवारा अंतिम चरण में है। उन्होंने कहा कि प्रकाश अंबेडकर की वंचित बहुजन अघाड़ी से भी चर्चा चल रही है. महाविकास अघाड़ी में पार्टियों के बीच कोई मतभेद नहीं है. राउत ने यह भी कहा कि कांग्रेस और एनसीपी को वंचितों को लेकर कोई आपत्ति नहीं है. सूत्रों के मुताबिक, महाराष्ट्र कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले और वरिष्ठ नेता बालासाहेब थोराट ने 3 जनवरी को नई दिल्ली में पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और सांसद राहुल गांधी से मुलाकात की. इसके बाद पटोले ने राज्य के सभी शहर और जिला अध्यक्षों को इच्छुक उम्मीदवारों के नाम भेजने का निर्देश दिया. इसलिए यह चर्चा शुरू हो गई कि क्या कांग्रेस आगामी लोकसभा चुनाव अपने दम पर लड़ेगी. इसको लेकर राजनीतिक जानकार कह रहे हैं कि अगर कांग्रेस अपने दम पर महाराष्ट्र ही नहीं समूचे देश में लोकसभा चुनाव लड़ती है तो उसे लाभ मिलेगा. इसके लिए कांग्रेस योग्य उम्मीदवार चुनाव मैदान में उतारे और 548

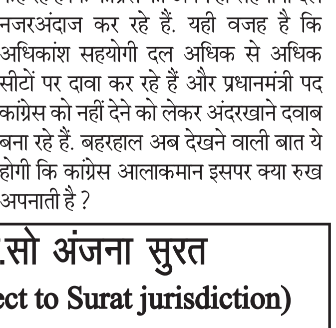

सीटों के बजाय 400 सीटों पर ही अपना उम्मीदवार दे. राजनीतिक जानकार यहां तक कह रहे हैं कि कांग्रेस को अपने ही सहयोगी दल नजरअंदाज कर रहे हैं. यही वजह है कि अधिकांश सहयोगी दल अधिक से अधिक सीटों पर दावा कर रहे हैं और प्रधानमंत्री पद कांग्रेस को नहीं देने को लेकर अंदरखाने दवाब बना रहे हैं. बहरहाल अब देखने वाली बात ये होगी कि कांग्रेस आलाकमान इसपर क्या रुख अपनाती है ?

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बकाया टैक्स वसूली अभियान के तहत कार्यवाही और वसूली किया गया.

वार्ड न.३० में २८१ संपत्तियों पर वसूली अभियान चलाया गया.

१०२ संपत्तियों को सील कर दिया गया और १२१ संपत्तियों से कार्यवाही के दौरान मौके पर कुल ६७,३४,४७९ लाख रुपये की वसूली की गई.

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत महानगर सेवा सदन जनसंपर्क विभाग की सूची के अनुसार, आयुक्त सूरत के निर्देशानुसार, नगर निगम के दक्षिण जोन-बी (कनकपुर) के संपत्ति कर रिफंड संचालन, मूल्यांकन और संग्रह विभाग ने कर संग्रह किया है। विभिन्न क्षेत्र जुबेश अंतंगत सचिन, कनकपुर- कंसाड, उन, पारडी-कांडे, तलंगपुर के विभिन्न क्षेत्रों में कुल २८१ संपत्तियां बरामद की गई हैं, जिनमें से १०२ संपत्तियों को सील कर दिया गया है और १२१ संपत्तियों को प्रक्रिया के दौरान मौके पर ही बरामद किया गया है। , कुल ६७,३४,४७९ लाख रु साथ ही एडवांस चेक से रु १०,२२,९३०/- लिया गया है.

दक्षिण जोन-बी (कनकपुर) के कर निर्धारण एवं संग्रहण विभाग द्वारा सख्त कार्रवाई के तहत चालू वित्तीय वर्ष के दौरान ६१ करोड़ की मांग के मुकाबले अब तक २९ करोड़ की वसूली की गई है। जो संपत्ति मालिक अभी भी बकाया संपत्ति कर का भुगतान करने में लापरवाही बरत रहे हैं, उनके खिलाफ संपत्तियों को सील करने और नल कनेक्शन, ड्रेनेज कनेक्शन काटने जैसी सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। उनसे तुरंत टैक्स जमा करने को कहा गया है. अतः बकाया करदाताओं को विशेष रूप से कहा गया है कि वे सभी जोन कार्यालयों एवं सिविक सेंटरों से संपर्क कर तत्काल कर का भुगतान करें।

एसएमसीबी जोन कनकपुर द्वारा वार्ड नंबर ३० की १०२ संपत्तियों को सील कर दिया गया और जल्द से जल्द बकाया टैक्स का भुगतान करने का आग्रह किया गया।

मांडवी में बिजली पोल खडा करते समय हुई दुर्घटना की जांच करने मुख्यमंत्री से शिकायत

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

घायलों का उचित इलाज और सहायता भुगतान करने तथा लापरवाह एजेन्सी और अधिकारीयों पर उचित कार्यवाही की मांग

सूरत । जिले के मांडवी नगर निगम अंतर्गत बिजली पोल खड़े करते समय करंट लगने से हुई दुर्घटना के संबंध में जांच कर जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई करने तथा दुर्घटना के पीड़ितों को सहायता राशि देने के संबंध में स्थानिय सहकारिता एवं किसान नेता तथा गुजरात प्रदेश कांग्रेस महामंत्री दर्शन नायक द्वारा मुख्यमंत्री भुपेन्द्र पटेल ज्ञापन दिया गया।

दर्शनकुमार अमृतलाल नायक (महामंत्री, गुजरात प्रदेश कांग्रेस कमेटी) ने मुख्यमंत्री को लिखे ज्ञापन में कहा गया है कि सूरत जिले के मांडवी कस्बे में तरसाडा जाने वाली सड़क पर बिजली का खंभा खड़ा करते समय सात (०७) मजदूर करंट की चपेट में आ गये जो बहुत दुः खद है। हमें मिली जानकारी के मुताबिक सूरत जिले के मांडवी कस्बे में तरसाड़ा जाने वाली सड़क पर जब मजदूर स्ट्रीट लाइट के खंभे लगा रहे थे तभी ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन बिजली लाइन का तार टूटकर पोल परगिर गया। और पोल को पकड़ने वाले सभी सात कर्मचारी करंट की चपेट में आ गए। दुर्घटना में सभी घायल श्रमिकों को इलाज के लिए मांडवी सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। प्रशासन और एजेंसी की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाते हैं। अतः जनहित में सही दिशा में जांच करने हेतु निम्नलिखित मांग एवं निवेदन है। क्या सूरत जिले के मांडवी नगर के तरसाडा जाने वाली सड़क पर बिजली पोल लगाने की पूर्व मंजुरी ली गई थी? जिसकी अनुमति की भी जांच होनी चाहिए। क्या बिजली का खंभा खड़ा करते वक्त एजेंसी द्वारा टेंडर शर्तों के अनुसार सुरक्षा सावधानियां रखी गई थीं? इसकी भी जांच की जानी चाहिए और यदि उचित सावधानी नहीं बरती गई तो लापरवाही के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। २० फीट ऊंचा धातु का बिजली का खंभा खड़ा करने के लिए जिम्मेदार इंजीनियर और निर्माण अधिकारियों को आसमान की स्थिति क्यों समझ में नहीं आई? इसके लिए प्रशासनिक तंत्र के सभी जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई होनी चाहिए।

एजेंसी की लापरवाही देखने को मिल रही है जिसके खिलाफ भी कार्यवाही होनी चाहिए। इस दुर्घटना में घायल हुए श्रमिकों का मुफ्त इलाज किया जाना चाहिए और सभी प्रभावित श्रमिकों को १०,००,०००/- रुपये की वित्तीय सहायता का भुगतान किया जाना चाहिए।

उपरोक्त प्रस्तुतीकरण के बिन्दुओं को ध्यान में रखते हुए जनहित में मांडवी अंतर्गत तरसाड़ा जाने वाली सड़क पर लगे विद्युत पोल के करंट से हुई दुर्घटना की जांच कराना अति आवश्यक है। सूरत जिले की नगर पालिका और अपनी जिम्मेदारी में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों और एजेंसियों के खिलाफ कार्रवाई करने और दुर्घटना के पीड़ितों को सहायता राशि देने के लिए कृपया कार्रवाई करें।

आंगडिया कर्मचारी को लूटने वाले आरोपी कामरेज के पास मोपेड छोड़कर भाग गए

बंदुक की नोंक पर कर्मचारी का अपहरण कर नकद ८८ लाख लूट कर आरोपी फरार हो गए

आंगडिया कर्मचारी को आरोपी कामरेज के पास मोपेड छोड़कर भाग गए

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के महिधरपुरा हीरा बाजार में सनसनीखेज डकैती हुई है। दिन दहाड़े बाइक सवार अज्ञात व्यक्तिने यहां आंगडिया फर्म के एक कर्मचारी को बाजार से अपहरण कर लूट लिया। ८८ लाख रुपये की लूट की इस घटना के बारे में पता चलने के बाद से पुलिस जांच में जुटी है। पुलिस जांच में पता चला कि लुटेरे मोपेड कामरेज के पास में ही छोड़कर भाग गए।

महिधरपुरा के भवानी वड हरिपुरा में स्थित एक पुरानी आंगड़िया फर्म पटेल डी. प्रवीणकुमार एंड कंपनी का कर्मचारी ८८ लाख रुपये कैश लेकर चला गया। इस कर्मचारी का बाइक सवार अज्ञात लोगों ने बंदूक की नोक पर अपहरण कर लिया था। अपहरणकर्ता अंगडिया कर्मचारी को कामरेज ले गए, जहां उन्होंने कर्मचारी से ८८ लाख रुपये की नकदी लूट ली और कामरेज उतारकर फरार हो गए। इसके बाद आंगड़िया के कर्मचारी ने मामले की सूचना फर्म के मालिकों और पुलिस को दी।

घटना को अंजाम देने के बाद लुटेरे कामरेज के पास मोपेड छोड़कर भाग निकले। पुलिस ने मोपेड जब्त कर आगे की जांच की। आशंका है कि आरोपी सूरत से भाग गए हैं। आरोपियों का पता लगाने के लिए पुलिस कवायद कर चुकी है। पुलिस ने अलग-अलग टीमें गठित कर सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच शुरू कर दी है। पुलिस जल्द ही आरोपियों तक पहुंचने की संभावना है।

पैसे निकालने में मदद करने के नाम पर ठगों ने एटीएम कार्ड बदल लिया और ६७ हजार निकाल लिए

सूरत में सचिन जीआईडीसी स्थित एटीएम में मदद के बहाने धोखाधड़ी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

बैंक के एटीएम से पैसे निकालने के नाम पर धोखाधड़ी की गई

सूरत के पास सचिन जीआईडीसी क्षेत्र में एक कर्मचारी अपने पैसे निकालने के लिए एक बैंक एटीएम में गया। इस बीच उन्हें रुपये निकालने में कुछ परेशानी हो रही थी। इसी बीच एक व्यक्ति आया और कार्ड बदलकर मदद के नाम पर ६७ हजार निकाल लिए। एटीएम से पैसे नहीं निकलने पर मदद करने के बहाने की गई धोखाधड़ी। एटीएम कार्ड बदल कर शिकायतकर्ता के खाते से ६७ हजार रुपये निकाल लिये गये। यह खेल एटीएम कक्ष में दो लोगों द्वारा खेला गया था। पूरी घटना एटीएम के सीसीटीवी में कैद हो गई। इसलिए सचिन जीआईडीसी पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। यदि आरोपी पकड़े गए तो ऐसी और भी वारदातें सुलझने की संभावना है।

ब्रेईन डेड नेपाली युवक के अंगदान से चार लोगों को नई जिंदगी मिलेगी

सूरत में रहने वाले २३ साल के ब्रेन-डेड युवक का लिवर, दो किडनी और एक दिल दान किया गया

पत्नी और परिवार के सदस्यों ने श्रध्दांजली देकर अंगदान की सहमती दी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के न्यू सिविल अस्पताल से एक और सफल अंगदान हुआ है। सूरत के पास मगदल्ला रसोइ काम करने वाला मूल नेपाल निवासी नबराज भुजेल को ब्रेईनडेड घोषित किया गया। उसकी पत्नी और परिवार के सदस्यों की अंगदान के लिए मंजुरी मिलने पर एक लीवर, दो किडनी और एक हृदय के दान से चार जरूरतमंद मरीजों को नया जीवन मिलेगा।

मूल रूप से धनुसा नगर पालिका, गणेशमन सारनाथ वार्ड नंबर-५, नेपाल के रहने वाले २३ वर्षीय नबराज बहादुरभाई भुजेल सूरत के मगदल्ला में खाना पकाने का काम करते थे। ०२ जनवरी को अपनी बहन के घर से बाइक से लौटते समय बाइक दुर्घटनाग्रस्त हो गयी। सड़क पर बेहोश पाया गया नबराज के मोबाइल फोन से एक अज्ञात व्यक्ति ने संपर्क किया और परिवार को सूचित किया। उसके बाद १०८ आपातकालीन सेवाओं से संपर्क किया गया और उसे ०२ जनवरी को रात में नवी सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां सिर में गंभीर चोट और रक्तस्राव का निदान कर सिविल आईसीयू में शिफ्ट कर दिया गया। डॉ. जय पटेल, डॉ. हरिन मोदी, डॉ. नीलेश काचड़िया, आरएमओ डॉ. केतन नायक ने गहन उपचार के बाद ४ तारीख को रात ९.४९ बजे ब्रेन डेड घोषित कर दिया।

डॉ. नीलेश काचड़िया, डॉ. केतन नायक, गुजरात नर्सिंग काउंसिल के इकबाल कड़ीवाला, काउंसलर निर्मला कथुड़ ने नेपाली परिवार के सदस्यों को अंगदान का महत्व समझाया। ब्रेन डेड नबराज के परिवार ने दुःख की घड़ी में भी अंगदान के लिए तत्परता दिखाई। मगदल्ला के भाटिया फार्म में रहने वाली उनकी पत्नी भगवतीबेन सहित परिवार की सहमति से ब्रेन डेड नबराज की किडनी और लीवर को ५ तारीख को केडी हॉस्पिटल अहमदाबाद और हार्ट सिम्स हॉस्पिटल-अहमदाबाद ले जाया गया।